राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 26 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-187 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-7490923915

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

ट्रंप के टैरिफ पर तनाव के बीच पीएम मोदी का बड़ा संदेश

दबाव कितना भी हो, झेलने की ताकत बढ़ाता जाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक सूक्ष्म संदेश देते हुए कहा कि उनकी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों को कोई नुकसान नहीं होने देगी। भारत पर 50त्न टैरिफ लगाने वाले अमेरिका का नाम लिए बिना, प्रधानमंत्री ने दुनिया में आर्थिक स्वार्थ से प्रेरित राजनीति की ओर इशारा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया में आर्थिक स्वार्थ से प्रेरित राजनीति किस प्रकार हो रही है, यह आप सभी देख रहे हैं। अहमदाबाद की इस धरती से, मैं अपने छोटे उद्यमियों, दुकानदारों, किसानों और पशुपालकों से कहना चाहता हूँ। मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों का कोई अहित नहीं होने देगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम उसका सामना करने की अपनी क्षमता बढ़ाते रहेंगे। ट्रंप ने भारत पर 50त्न टैरिफ और रूसी तेल की खरीद-बिक्री पर एक अतिरिक्त अनिर्दिष्ट जुर्माना लगाया है। भारत ने ट्रंप की टैरिफ घोषणा को ÷अनुचित और अविवेकपूर्ण÷ करार दिया है। उन्होंने कहा कि आज हर प्रकार की इंडस्ट्री का यहां विस्तार गुजरात की धरती पर हो रहा है। पूरा गुजरात ये देखकर गर्व करता है कि कैसे हमारा राज्य विनिर्माण हब बन गया है। देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां फैक्ट्रियां लगा रही हैं। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल विनिर्माण का भी गुजरात बहुत बड़ा सेंटर बन रहा है।

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार शहर में रहने वाले गरीबों को सम्मान का जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है। गरीबों के नए घर इसका एक साक्षात उदाहरण बने हैं। इस बार नवरात्रि और दिपावली पर इन घरों में रहने वालों की खुशी और ज्यादा होगी। इसके साथ पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में बापू के साबरमती आश्रम का नवीनीकरण भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे श्रमिक परिवारों को बेहतर जीवन मिले, ये हमारा मिशन रहा है। इसलिए कई साल पहले हमने गुजरात में झुग्गी वालों के लिए पक्की गेटेड सोसायटी बनाने का बीड़ा उठाया। बीते सालों में गुजरात में झुग्गियों की जगह मकान बनाने के ऐसे अनेक प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं और ये अभियान लगातार जारी है।

प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जिसको किसी ने नहीं पूछा, मोदी उसको पूजता है। मैंने इस बार लाल किले से कहा था कि पिछड़ों को प्राथमिकता हमारा मिशन है। हमारा निरंतर प्रयास है कि ठुद्गश-द्वद्धस्त्रस्त्रद्यद्ग ष्ह्रड्ढह्यद्ध और द्वद्धस्त्र-स्त्रद्यद्ग ष्ह्रड्ढह्यद्ध, दोनों को सशक्त करें। उन्होंने कहा कि अब हमारी सरकार त्रस्ञ्ज में भी ऋद्गश्लद्ध करने जा रही है। इस बार की दिवाली पर व्यापारी वर्ग हो या फिर हमारे बाकी परिवारजन.... सबको खुशियों का ष्ठश्वह्रड्डद्यद्ग

ब्श्वठ्ठह्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये त्योहारों का मौसम है। अब नवरात्रि, विजयादशमी, धनतेरस, दिपावली... ये सभी त्योहार आ रहे हैं। ये हमारे संस्कृति के उत्सव तो हैं ही... ये आत्मनिर्भरता के भी उत्सव होने चाहिए। इसलिए मैं आपसे एक बार फिर अपनी आग्रह दोहराना चाहता हूं कि हमें जीवन के अंदर एक मंत्र बनाना है कि हम जो भी खरीदेंगे 'मेड इन इंडिया' होगा, स्वदेशी होगा।

सुवा में 100 बैड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल तथा जन औषधि केन्द्र खोले जायेंगे: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और फिजी के बीच संबंधों को परस्पर विश्वास और सम्मान पर आधारित बताते हुए कहा है कि भारत ने फिजी के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत बनाने के लिए उसकी राजधानी सुवा में 100 बैड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाने, डायलिसिस यूनिट बनाने, एम्बुलेंस भेजने तथा जन औषधि केन्द्र खोलने की घोषणा की है जिससे कि वहां के लोगों को सस्ती दवा मिल सकें। दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत बनाने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने पर भी सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। खेलों के क्षेत्र में भी सहयोग को बढाते हुए अब भारतीय कोच फिजी क्रिकेट टीम को प्रशिक्षित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां फिजी के प्रधानमंत्री सिटीवेनी राबुका के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि स्वस्थ राष्ट्र ही समृद्ध राष्ट्र हो सकता है इसलिए हमने फिजी को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, ''हमने तय किया कि 'सुवा' में 100 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया जायेगा। डायलिसिस यूनिट और सी एम्बुलेंस भेजीं जाएँगी। और, जन औषधि केंद्रखोले जायेंगे, जिससे सस्ती और उत्तम गुणवत्ता की दवा हर घर तक पहुंचेगी। हम चाहते हैं कि सपनों की दौड़ में किसी के कदम रुके नहीं,इसलिए, फिजी में 'जयपुर फुट' कैंप भी लगाया जाएगा।' पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का भी निर्णय लिया है। इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गयी है। फिजी की समुद्री सुरक्षा को सशक्त करने के लिए भारत से प्रशिक्षण और उपकरण में सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश साइबर साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण के क्षेत्रों में अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। श्री मोदी ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भारत से गए लोबिया के बीज फिजी की मिट्टी में बहुत ही अच्छी तरह अंकुरित हो रही हैं। भारत अब 12 एग्री-ड्रोन और दो मोबाइल मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भी भंटे करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय घी को फिजी में स्वीकृति देने के लिए भारत फिजी सरकार के प्रति आभार प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में सहयोग और समर्थन के लिए हम प्रधानमंत्री रम्बुका और फिजी सरकार का आभार व्यक्त करते हैं।

वैश्विक मंदी और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : मल्होत्रा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में मुंबई में फिक्की (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ द्वारा आयोजित एफआईबीएसी 2025 वार्षिक सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण भाषण दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंदी और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आरबीआई गर्वनर मल्होत्रा ने जोर देकर कहा कि दुनिया अभी भी व्यापार विवादों और भू-राजनीतिक तनावों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इसके बावजूद भारत को न केवल इन चुनौतियों से निपटना है, बल्कि विकास के नए अवसरों का भी लाभ उठाना है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि आर्थिक स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने में मौद्रिक नीति की अहम भूमिका है। आरबीआई का मुख्य उद्देश्य मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने की संभावना पर, आरबीआई प्रमुख मल्होत्रा ने उम्मीद जाहिर की कि इस मुद्दे पर बातचीत सफल होगी और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत कम असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में केंद्रीय बैंकों के सामने दोहरी चुनौती है, आर्थिक सुधार को बाधित किए बिना मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना। अस्थिर कमोडिटी की कीमतें और पूंजी प्रवाह इस संतुलन को और भी नाजुक बना रहे हैं।

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि भारत बाहरी मोर्चे पर एक मजबूत स्थिति में है। देश के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है, जो करीब 11 महीने के आयात को पूरा कर सकता है, जो एक आरामदायक स्थिति है।

बात दें कि आरबीआई प्रमुख मल्होत्रा ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत स्थिति पर भरोसा जताया और यह भी कहा कि देश को अपनी विकास यात्रा जारी रखने के लिए नई रणनीतियाँ अपनाने की ज़रूरत है।

भारतीय राजदूत बोले- रूस से तेल खरीदता रहेगा भारत

- जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहीं से लेंगे, ट्रम्प के टैरिफ को बेबुनियाद बताया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टास को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां तेल वहीं से खरीदेंगी जहां उन्हें सबसे अच्छा सौदा मिलेगा। उन्होंने भारत पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ को बेबुनियाद बताया।

विनय कुमार ने कहा, ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो जाएगा। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

राजस्थान के सीकर में रेल-ट्रैक पर पानी, जयपुर-आगरा हाईवे डूबा

पटना में सड़कों पर पानी, नालंदा में बाढ़, यूपी के चंदौली में बांध टूटा

नई दिल्ली/पटना/लखनऊ। राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग एनएच 927 पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फीट जमीन धंस गई।

बिहार के पटना में सोमवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई। इससे कुर्जी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना जंक्शन, गांधी मैदान, खेतान मार्केट, जेपी गंगा पथ समेत कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। वहीं, झारखंड में हो रही बारिश के कारण नालंदा में नदियों का जलस्तर बढ़ने बाढ़ के हालात हैं।

यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है।

बुलंदशहर में सड़क हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत

कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, गर्भवती पत्नी को पति के मौत की खबर नहीं दी

बुलंदशहर (एजेंसी)। यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है।

मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे।पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मृतक विकास की गर्भवती पत्नी को हादसे के बारे में नहीं बताया गया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना...

कहा-मोदी सरकार वोट चोरी करके सत्ता में आई, उसे युवाओं की चिंता नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा की। इस शर्मनाक करार दिया। आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कथित बल प्रयोग की भी निंदा की। खरगे ने दावा किया कि देश के युवाओं का भविष्य चोरी करना मोदी सरकार की

आदत बन चुकी है। परीक्षा के बेहतर संचालन की मांग को लेकर एसएससी के छात्रों और शिक्षकों ने रविवार को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज करने के विपक्षी दलों के दावों का खंडन किया है।

युवाओं ने सिर्फ अपना हक मांगा था- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी स्टूडेंट्स और टीचरों पर बर्बर लाठीचार्ज शर्मनाक ही नहीं, बल्कि एक डरपोक सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने सिर्फ़ अपना हक़ मांगा था- रोजगार और न्याय। मिली क्या? लाठियां। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि साफ है कि मोदी सरकार को न देश के युवाओं की चिंता है, न उनके भविष्य की। हो भी क्यों? यह सरकार जनता के वोटों से नहीं, बल्कि वोट चुराकर सत्ता में आई है।

दिल्ली सीएम रेखा की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह हमला हुआ था। अब दिल्ली पुलिस उनकी सुरक्षा में एक्स्ट्रा फोर्स के साथ तैनात रहेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है।

शाह ने खारिज किए विपक्ष के आरोप

'पांच दिन में सुनवाई होती है, मेरी याचिका दो साल अटकी रही'

राहुल ने संसद में लालू को बचाने वाला अध्यादेश फाड़ा था, सरकार गई तो सुर बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक पर विपक्ष के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा, क्या कोई मुख्यमंत्री (सीएम), प्रधानमंत्री (पीएम) या मंत्री जेल से सरकार चला सकता है। वे चाहते हैं कि उन्हें जेल से सरकार चलाने का विकल्प मिले। न्यूज एजेंसी के इंटरव्यू में शाह ने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा, खुद की गिरफ्तारी, संसद में विपक्ष के विरोध पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति आकर शासन चलाएगा। आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए। दरअसल, केंद्र ने 20 अगस्त को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसमें प्रावधान है कि कोई प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ना होगा। शर्त

यह है कि जिस अपराध के लिए हिरासत या गिरफ्तारी हुई है, उसमें 5 साल या ज्यादा की सजा का प्रावधान हो। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है।

शाह के इंटरव्यू की 6 बातें, कहा- धनखड़ ने इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों और निजी वजह से दिया। नए बिल से हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे: आज देश में एनडीए गठबंधन के मुख्यमंत्री ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। ऐसे में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक से सिर्फ विपक्ष पर ही सवाल खड़े नहीं होते बल्कि हमारे मुख्यमंत्रियों पर भी सवाल उठेंगे। अगर फर्जी मामला है तो देश के उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट आंखें बंद करके नहीं बैठे हुए हैं, वे जमानत दे सकते हैं। वहीं धनखड़ ने इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों और निजी वजह से दिया। जेल जाने के बाद भी दिल्ली के सीएम ने भी इस्तीफा नहीं दिया- आजकल नई परंपरा आ गई है। दो साल पहले ऐसा कोई मामला नहीं था। आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा देते थे। रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया था। दिल्ली के सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने के लिए हम इससे सहमत नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध? अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

यह महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदीझजेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है।

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और 'यह युद्ध का युग नहीं है' की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की 'शांत डिप्लोमेसी', जो न तो शोर मचाती है और न ही

श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्खियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक जमीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी 'विश्वसनीय संवाद' की संभावना को कमजोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरूआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार 'संवाद और कूटनीति' की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की 'Special and Privileged Strategic Partnership' दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने जेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे 'सच्चा मध्यस्थ' बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा जरूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की 'शांति संरचना' में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की 'लीडर-टू-लीडर' डिप्लोमेसी– चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या जेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक 'तटस्थ लेकिन प्रभावशाली' नेता के रूप में उभरे हैं। यदि जेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संपादकीय

दृढ़ता है जरूरी

देश मंत्री जयशंकर ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा, अमेरिका के साथ व्यापार बातचीत में अड़चन को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि आपको भारत से तेल या रिफाइंड़ उत्पाद खरीदने में दिक्कत है तो न खरीदें। यूक्रेन संघर्ष पर दिल्ली का रुोख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा हम रूस-युक्रेन मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश नीति की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को याद दिलाया कि ओबामाकाल में वाशिंगटन ने चीन के साथ जी2 ढांचे का विचार पेश किया था। वह पहले भी स्पष्ट कह चुके हैं कि अमेरिका ही कह रहा है कि हम विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने हर

संभव प्रयास करने चाहिए जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। चूंकि हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं इसलिए आपके (अमेरिका) तर्क से उलझन में हैं। भारत-रूस व्यापार पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ा है। 2021 में 13 बिलियन ड़ॉलर था, जो अब 2024-25 में बढ़ कर 68 बिलियन ड़ॉलर पहुंच चुका है जिसका बड़ा हिस्सा हाइड्रो कॉर्बन भी है। यह ट्रंप की आंख की किरकिरी बन रहा है। हालांकि भारत ने कूटनीतिक-आर्थिक बदलाव लाते हुए अपने सख्त तेवर दिखाए और अमेरिका के साथ ही यूरोपीय यूनियन की आलोचना करते हुए दोनों के रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर प्रक्रिया दी। भारत ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने को भी अविवेकपूर्ण ठहराया। विदेश मंत्री के तेवरों से स्पष्ट है कि सरकार अमेरिका की धमकियों के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इससे अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर उसे अपनी प्रतिष्ठा पर धब्बा लगता प्रतीत हो सकता है। रूसी आयात पर लगाम लगाने की बजाय भारत इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात व सऊदी अरब के साथ भी आयात विस्तार का विचार कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारत अमेरिका को घुड़की देने मात्र के लिए अपने निर्णय पर अड़ा है, बल्कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के प्रति दृढ़ संकल्प भी है। रूस से तेल खरीद के चलते देश को 2025 में ही 3.8 अरब ड़ॉलर की अतिरिक्त बचत हो चुकी है। ट्रंप के इस टैरिफ टैरर से अमेरिकी अर्थशात्रियों से लेकर राजनेता व विशेषज्ञ भी खासे नाराज हैं। वे मान रहे हैं, यह अमेरिका के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकता है। भारत सरकार ने विचारपूर्ण तरीके से ही अपना रुख सख्त रखा है। वह अब किसी दबाव के आगे नतमस्तक होते नहीं नजर आना चाहती।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दा: नेताओं पर कम क्यों हो रहा भरोसा

ड़ॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जिस तरह जनसुनवाई के दौरान राजेश भाई खीमजी भाई सकरिया नाम के व्यक्ति ने हमला किया, अपशब्दों का प्रयोग किया एवं पेशीय बल का प्रयोग किया वह चिंता का सबब है, और खतरनाक संकेत है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में नहीं जा रहा। बेशक, ऐसी घटनाएं घोर निंदनीय हैं, लेकिन कई प्रश्न भी खड़े करती हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इस तरह की घटना घटी हो।

राजनीति की खासियत रही है कि सत्ता पर कब्जे की लड़ाई में हर दल व नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में कोई भी कसर नहीं छोड़ता। सत्ता की लालसा के चलते दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अक्सर राजनीतिक प्रदूषण का वीभत्स रूप बार-बार सामने आता रहा है। खूबियां व विपक्षी की कमियां गिनाना भी गलत नहीं है लेकिन इन सबके बीच जो गरिमा का पतन हो रहा है, जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कहां तक जायज हैं? एक समय था जब शालीन तरीके से आलोचना करके, गद्दी हासिल की जाती थी पर अब तो बदमिजाजी, बदजुबानी व घटियापने की सारी हदें पार हो गई हैं। छुटभैये ही नहीं बड़े से बड़े नेताओं की जुबान पर भी गरिमाहीन शब्द चढ़ गए हैं। हर एक का मंतव्य एक ही कि जैसे भी हो बस चुनावी जंग जीत लो। अब जीते कोई भी पर भविष्य में लोकतंत्र के बहुत ही खतरनाक दौर का संकेत है यह। इससे पूर्व लोक सभा चुनावों में भी ऐसी ही बानगी देखने को मिली थी।

वैसे यह गंदगी अभी की बात नहीं है। यह तो काफी पहले ही जन्म ले चुकी थी। कुछ अति वाचाल नेता असंसदीय व अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, और ऐसे शब्द बाण चलाते रहे हैं, जो कदाचित सभ्य समाज को अस्वीकार्य होंगे। ठीक है, आक्रामक होना आपका अधिकार हो सकता है पर सर्वाजनिक जीवन में मयार्दाएं तार-तार करने का किसी का भी हक नहीं है, यह अब हमारे नेताओं को सिखाने की जरूरत हो गई है। नेताओं की भाषा या उस पर चुनाव आयोग की कार्यवाही के औचित्य पर टिप्पणी की बजाय आइए देखें कि कैसे भारतीय राजनीति में मयार्दा का स्थान जूतों, स्याही, कालिख, अंडे टमाटरों, थप्पड़ों, गालियों व असहिष्णु शब्दों ने ले लिया है।

बीफ पार्टी देने पर विधायक राशिद की पिटाई हुई, उनके मुंह पर कालिख पोती गई, एक पाकिस्तानी किताब का विमोचन करवाने के दोषी सुधीर कुलकर्णी का मुंह काला किया गया, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल और यहां तक कि बहुत ही विनम्र ड़ॉ. मनमोहन सिंह पर भी पर जूता उछला, चिदंबरम पर चप्पल फेंकी गई, प्रशांत भूषण पिटे, अन्ना पर भी वार हुआ, दिग्विजय को गालियां मिलीं, केजरीवाल को चप्पल, थप्पड़ व स्याही मिले, गोपाल यादव का मुंह काला किया गया और भी ऐसे कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।

आखिर, हम कर क्या रहे हैं? किस युग में जी रहे हैं? और किस अंधयुग की तरफ जा रहे हैं? किसी भी तर्क का सहारा लेकर जूतों, थप्पड़ों, गालियों को लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता परंतु सोचने वाली बात यह भी है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों हैं, गहरी छानबीन की जरूरत है।

यदि समस्या की जड़ में जाने से बच कर विपक्षी की जलालत पर हम हंसते रहे तो फिर लोकतंत्र की तस्वीर भयावह होने जा रही है। लोकतंत्र में सबको अपने-अपने तरीके से रहने, बोलने, सोचने व खाने-पीने की छूट तो है पर किसी की भावनाओं से खिलवाड़ करने का हक लोकतंत्र नहीं देता, यह बात जहां नेताओं को आम जन को समझानी चाहिए वहीं वे खुद ही ऐसा करके माहौल खराब करते रहे हैं। क्या अब नहीं मान लेना चाहिए कि सत्ता की भूख कुछ भी नैतिक-अनैतिक नहीं देख पाती। इसलिए भावनाएं भड़का कर सत्ता सुख लूटने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, और खेद का विषय है कि एक भी दल इससे बच नहीं पा रहा है। जनतंत्र में मतभेद स्वाभाविक है।

देश का आम जन और वोटर अभी तक भी नहीं जान पाया है कि चुनावों के हसीन सपने अलग बात हैं पर सत्ता में आने पर सेवा, जनकल्याण व समस्या निवारण कहने की बातें रह गई हैं। सत्ता के ईद गिर्द शायद कहीं कुछ ऐसा है जो कुछ सार्थक करने नहीं देता। वह क्या है? जब सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी ओढ़े तटस्थ होने का ढोंग बुद्धिजीवी करते हैं तो लगता है जैसे वे भी इस पाप में शामिल हैं। बुद्धिजीवी लोकतंत्र को एक अंधेरे गड्ढे में जाते हुए चुपचाप देखते हैं, तो फिर भविष्य कैसा होगा, सोचा जा सकता है। पावर, पॉलिटिक्स व पैसों का खेल अब बेलगाम हो गया है। सरकारें भले ही बदलें, चेहरे भले ही बदलें पर प्रवृत्ति नहीं बदल रही। कालिखों, जूतों, गालियों का होना लोकतंत्र में सही नहीं है पर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, इस पर भी छानबीन की जरूरत है। भविष्य में लोकतंत्र के लिए खतरनाक दौर का संकेत है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वुडनस्ट्रीट ने यू निकॉमर्स से मिलाया हाथ

मुंबई । वुडनस्ट्रीट ने अपने ऑर्डर और वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम को यू निकॉमर्स के प्रमुख प्लेटफॉर्म यू निवेयर के साथ इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह साझेदारी वुडनस्ट्रीट को ऑर्डर को नजदीकी वेयरहाउस में असाइन कर डिलीवरी समय और लागत को कम करने में मदद करेगी। यू निवेयर की मल्टी-पार्ट शिपमेंट सुविधा से एक ही ऑर्डर को कई शिपमेंट में बांटना संभव होगा, जिससे तेजी से डिलीवरी होगी। साथ ही यू निकॉमर्स का मार्केटप्लेस रिकंसिलिएशन टूल यू निरेको पेमेंट और रिटर्न प्रबंधन को ऑटोमेट करेगा, जिससे रेवेन्यू का सटीक ट्रैकिंग संभव होगा। वुडनस्ट्रीट के एक अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी उनकी ऑनलाइन ऑपरेशंस की दक्षता बढ़ाएगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, नया रिकॉर्ड 695.10 अरब डॉलर पर पहुंचा

- वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की वित्तीय स्थिरता में आई मजबूती

नई दिल्ली । अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.48 अरब डॉलर बढ़कर 695.10 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग और आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है। हालांकि इस सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 2.16 अरब डॉलर घटकर 585.90 अरब डॉलर रह गईं। इसके विपरीत विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 41 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.782 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 15 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.754 अरब डॉलर पर पहुंच गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में बताया कि वर्तमान भंडार देश के लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है, जो एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा का संकेत है। पिछले वर्ष 2024 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई थी, जबकि वर्ष 2025 में अब तक कुल 53 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। यह विदेशी निवेशकों के लिए विश्वास का संकेत है और रुपये को स्थिर रखने में सहायक है।

अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिए: आरबीआई गवर्नर

- केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉरपोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए।

वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है।

इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा।

आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 87.56 पर बंद हुआ। सकारात्मक घरेलू संकेतों के बीच आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे मजबूत होकर 87.34 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 87.34 प्रति डॉलर पर आ गया। यह शुक्रवार के बंद भाव 87.52 से 18 पैसे की मजबूती दिखाता है। इस मजबूती का प्रमुख कारण घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंकों की बढ़त के साथ 81,592.47 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 91.25 अंकों की तेजी के साथ 24,961.35 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर सूचकांक भी 0.15 फीसदी बढ़कर 97.86 पर आ गया, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखी गई। ब्रेंट क्रूड 0.10 फीसदी चढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

जून में कोयला आयात बढ़ा, घरेलू उत्पादन में गिरावट

- सरकार ने आपूर्ति सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

मुंबई । टाटा स्टील और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयुक्त उपक्रम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार जून 2025 में भारत का कोयला आयात बढ़कर 2.39 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष जून में 2.29 करोड़ टन था। इसमें गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 57.8 लाख टन रहा। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का कुल आयात 4.90 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.91 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 1.63 करोड़ टन हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 1.54 करोड़ टन था। दूसरी ओर, कोल इंडिया लिमिटेड का कोयला उत्पादन जून में 8.5 फीसदी घटकर 5.78 करोड़ टन रह गया, जबकि जून 2024 में यह 6.31 करोड़ टन था। हालांकि कंपनी ने उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया, लेकिन उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि **मानसून के कारण खदानों में कार्य बाधित होता है जिससे उत्पादन घटता है। इस स्थिति को देखते हुए कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि देश को कोयले की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र सहित सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

मुंबई।

अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी की शेयरों में भारी खरीदारी हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 492.21 अंक या 0.60 प्रतिशत बढकर 81,799.06 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक पिछडने वाले शेयरों में शामिल रहे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.89 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट 1.88 प्रतिशत और एसएंडपी 500 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

फेड ब्याज दरों में कटौती का असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10 साल की ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई। अनुकूल वैश्विक धारणा से उत्साहित होकर आईटी सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे कहा कि उपभोग मांग को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू स्तर पर सकारात्मक रुख बना हुआ है। अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में काम आ सकता है।

यूनिसन मेटल्स का बड़ा फैसला, शेयर होंगे 10 हिस्सों में

- स्टॉक स्प्लिट के जरिए यूनिसन मेटल्स निवेशकों को देगी अधिक लिक्विडिटी का लाभ

नई दिल्ली । आयरन और स्टील उत्पाद बनाने वाली कंपनी यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 10=1 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया है। कंपनी ने एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी। इस फैसले के तहत यूनिसन मेटल्स के 10 रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में विभाजित हो जाएंगे। यानी हर एक पुराने शेयर के बदले अब निवेशकों को दस नए शेयर मिलेंगे। कंपनी का यह फैसला शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने और छोटे निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से लिया गया है। गौरतलब है कि यूनिसन मेटल्स ने इससे पहले 2021 में बोनस शेयर भी जारी किए थे। उस समय निवेशकों को 1 के बदले 4 बोनस शेयर दिए गए थे। हालांकि, कंपनी ने अब तक कभी भी डिविडेंड का भुगतान नहीं किया है। सोमवार को बाजार खुलने पर यूनिसन मेटल्स के शेयर में हल्की तेजी देखी गई और यह 24.74 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा। साल 2025 में अब तक यह स्टॉक करीब 17 फीसदी गिर चुका है, जबकि पिछले एक वर्ष में भी इसमें 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले 5 वर्षों में स्टॉक ने 132 फीसदी रिटर्न दिया है, जो सेंसेक्स के 111.55 फीसदी से बेहतर है।

सोने की चमक हुई फीकी, चांदी भी लुढ़की

- 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए, चांदी 1,16,002 प्रति किलो

नई दिल्ली।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक (यूएस फेड) की ओर से ब्याज दरों में कटौती के संकेत के बाद वैश्विक स्तर पर निवेश धारणा में बदलाव आया है। जहां एशियाई और भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है, वहीं सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाने वाले सोने और चांदी की मांग में गिरावट आई है। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत में 57 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अब 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए पर कारोबार कर रहा है, जबकि शुक्रवार को यह 1,00,384 रुपए पर था। इसके साथ ही इंडियन बुलियन एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को सोने का भाव 99,360 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। (एमसीएक्स) पर यह 1,16,002 प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जो शुक्रवार के 1,16,236 से 234 रुपए कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉलर-रुपया विनिमय दर, वैश्विक आर्थिक संकेत, आयात शुल्क, जीएसटी और घरेलू मांग जैसे कारक सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। भारत में त्योहारी और वैवाहिक सीजन में सोने की मांग बढ़ती है, जिससे कीमतें ऊपर जाती हैं। लेकिन फिलहाल बाजार में निवेशकों का रुझान इक्विटी जैसे जोखिम वाले निवेश की ओर बढ़ा है। अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता होने पर सोने को निवेश का सुरक्षित विकल्प माना जाता है, लेकिन जब बाजार स्थिर और मुनाफे की ओर होता है, तब लोग सोने से दूरी बना लेते हैं और यही मौजूदा गिरावट का मुख्य कारण माना जा रहा है।

त्योहारों से पहले फ्लिपकार्ट देगी 2.2 लाख नौकरियां

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी फ्लिपकार्ट ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर देशभर में 2.2 लाख से अधिक रोजगार देने की घोषणा की है। ये नौकरियां आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और अंतिम छोर तक डिलीवरी से जुड़ी होंगी। कंपनी का कहना है कि वह 28 राज्यों में भर्ती कर रही है और साथ ही छोटे व मझोले शहरों में 650 नए त्योहारी आपूर्ति केंद्र भी खोलेगी। इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करना और ग्राहकों को तेज़ व समय पर डिलीवरी देना है। फ्लिपकार्ट के इस कदम से स्थानीय युवाओं को रोजगार और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। इसके साथ ही ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा। यह घोषणा त्योहारों से पहले ई-कॉमर्स क्षेत्र में बड़ी हलचल का संकेत है।

सेबी ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में पब्लिक शेयरहोल्डर माना, सख्त शर्तें भी लगाईं

एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिली

नई दिल्ली।

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में अपनी बची हुई हिस्सेदारी के साथ पब्लिक शेयरहोल्डर के रूप में दोबारा शामिल होने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी बैंक के रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी गई है। आईडीबीआई बैंक ने इस संबंध में बीएसई को जानकारी दी है और बताया कि निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सेबी के इस फैसले की सूचना दी है। सेबी ने एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा एलआईसी को बैंक के मामलों में सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह का नियंत्रण रखने की अनुमति नहीं होगी। एलआईसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में न तो कोई प्रतिनिधि भेज सकेगी और न ही कोई नॉमिनी रख सकेगी। साथ ही एलआईसी को बैंक के साथ कोई विशेष अधिकार, जैसे शेयरहोल्डर समझौते या अन्य सुविधाएं, नहीं दी जाएंगी। यदि एलआईसी इन शर्तों का पालन नहीं करती है, तो उसका पब्लिक शेयरहोल्डर का दर्जा समाप्त हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी शर्त लगाई है कि एलआईसी को अपनी बची हुई हिस्सेदारी दो साल के अंदर 15 फीसदी या उससे कम करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में लगभग 95 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, जिसमें से 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी गई है।

आईडीबीआई बैंक ने बताया है कि योग्य खरीदारों ने ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो सितंबर तक पूरी होने की संभावना है।

एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

- कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली ।

बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की न्यूक्लियर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने ब्लूमवर्ग एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए। एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी स्थापित करने की योजना बना रहा है। परियोजना की पहली यूनिट 2031 तक चालू होने की उम्मीद है, जबकि पूरा प्लांट 2036 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए पिछले बजट में लगभग 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। एनटीपीसी कई बड़े तकनीकी और सेवा प्रदाताओं जैसे टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, रोसाटॉम और होल्टेक के साथ साझेदारी कर रहा है। वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,800 मेगावाट है, जिसे सरकार 2047 तक बढ़ाकर 200 गीगावाट करने का लक्ष्य रखती है। एनटीपीसी का यह कदम देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विकास का संकेत है और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

अमेरिका ने ली चिप कंपनी में 10 फीसदी हिस्सेदारी, 8.9 अरब डॉलर का किया निवेश

नई दिल्ली। अमेरिका सरकार ने टैरिफ के बीच एक बड़ी डील की है। यह डील दिग्गज चिप मेकर कंपनी इंटेल और यूएस सरकार के बीच हुई है। अमेरिकी सरकार ने संघर्षरत चिप निर्माता कंपनी इंटेल में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी ले ली है और इसमें 8.9 अरब डॉलर का निवेश किया है। यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप और इंटेल ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से की है। इस समझौते को लेकर ट्रंप ने कहा- इट्स ए ग्रेट डील।

बता दें इंटेल ने 2025 में 25,000 नौकरियों में कटौती की योजना बनाई है। जुलाई में नए सीईओ लिप-बू टैन ने चेतावनी दी थी कि अब कोई खाली चेक नहीं है। ट्रंप ने इस समझौते की घोषणा करते हुए ट्रुथ सोशल पर घोषणा पर लिखा- मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब इंटेल के 10 फीसदी हिस्से का पूर्ण स्वामित्व और नियंत्रण रखता है, जो एक महान अमेरिकी कंपनी है और जिसका भविष्य और भी शानदार है। इसमें टैक्स प्रेयर का कोई खर्च नहीं आया। उन्होंने लिखा- अमेरिका ने इन शेयरों के लिए कुछ भी भुगतान नहीं किया और अब इन शेयरों का मूल्य करीब 11 अरब डॉलर है। यह अमेरिका के लिए और इंटेल के लिए भी एक बड़ा सौदा है।

अमेरिकी सरकार को यह हिस्सेदारी पहले जारी किए गए 11.1 अरब डॉलर के फंड और गिरवी रखे गए शेयरों के ट्रांसफर के जरिए मिल रही है। कुल मिलाकर ट्रंप सरकार को 433.3 मिलियन गैर-वोटिंग शेयर मिल रहे हैं। इन शेयरों की कीमत जिनकी कीमत 20.47 डॉलर प्रति शेयर है। शुक्रवार को बाजार बंद भाव 24.80 डॉलर से कम है। अमेरिकी सरकार को पहले ही 1.9 अरब डॉलर का लाभ हो चुका है।

जीएसटी कटौती की अटकलों से वाहन बिक्री पर ब्रेक, त्योहारी सीजन पर संकट

- अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहन बुकिंग में 25 फीसदी तक गिरावट

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले वाहन उद्योग को झटका लगा है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहनों की बुकिंग और ग्राहक पूछताछ में लगभग 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डीलरों का कहना है कि जीएसटी दरों में संभावित कटौती के चलते ग्राहक फिलहाल अपनी खरीद टाल रहे हैं, जिससे बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के प्रतिनिधियों ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और जीएसटी को लेकर फैली अनिश्चितता के कारण व्यापार में आ रही सुस्ती पर चिंता जताई। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उन्होंने मंत्री से अपील की है कि सरकार जल्द स्थिति स्पष्ट करे, ताकि त्योहारी सीजन में डीलरों को भारी नुकसान न उठाना पड़े। इस बीच, बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां और डीलर 1.5 से 2 लाख रुपये तक की छूट और फाइनैंस ऑफर दे रहे हैं। टाटा मोटर्स जैसे ब्रांड ओणम बुकिंग पर विशेष लाभ दे रहे हैं। फिर भी डीलरों का कहना है कि गणेश चतुर्थी और ओणम सीजन का उत्साह फीका रहा, और कुछ स्थानों पर बिक्री 10-15 फीसदी तक घट गई है।

जीएसटी परिषद की बैठक 3 सितंबर को प्रस्तावित है। यदि दीवाली से पहले जीएसटी में कटौती लागू होती है, तो उद्योग को राहत मिल सकती है। हालांकि, तब तक अगस्त और सितंबर की बिक्री पर असर पड़ना तय माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में किया रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि , 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने इस तरह से 48 किग्रा में सफल वापसी की। उन्होंने इसी वजन वर्ग में अपना विश्व चैम्पियनशिप खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों में दो पदक जीते लेकिन 2018 के बाद वह 49किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रही थी।

सौम्या दलवी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप: 25मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर, जूनियरों ने मारी बाजी

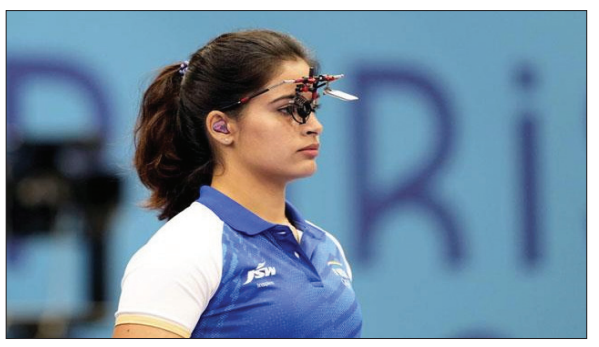

शिमकेंट (एजेंसी)। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गई और चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया।

कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालीफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन ने शतक जड़ा, मुहम्मद आशिक ने रोमांचक मैच में दिलाई जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। संजू सैमसन ने 51 गेंदों पर 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर बिकी रात को रोशन कर दिया, लेकिन मुहम्मद आशिक के वाह-वाही लूटने में कामयाब रहे क्योंकि जब कोच्चि ब्लू टाइगर्स को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी तो उन्होंने सिक्सर लगाकर रोमांचक जीत दिलाई और एरीज कोल्लम सेलर्स को चार विकेट से हरा दिया। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना विजयी अभियान जारी रखा जो अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। वहीं एरीज कोल्लम सेलर्स एक जीत और दो हार के साथ चौथे स्थान पर है। 237 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। मुहम्मद आशिक ने पहली दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर मुकाबले को जीवंत रखा। लेकिन गेंदबाज शराफुद्दीन ने अगली तीन गेंदों पर संयम बनाए रखा और सिर्फ एक बाई रन दिया, जबकि अल्फी फ्रांसिस जॉन रन आउट हो गए। आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थे, ऐसे में मुहम्मद आशिक ने सिक्स लगाकर अपनी टीम के लिए मैच जीत लिया। वह 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले संजू सैमसन ने साबित किया कि एशिया कप के लिए उन्हें चुनकर कोई गलती नहीं की है। सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 121 रनों की

तूफानी पारी खेलकर गेंदबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरीज कोल्लम सेलर्स ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद (41 गेंदों पर 94) और सचिन बेबी (44 गेंदों पर 91) ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 143 रनों की शानदार साझेदारी की।

ड्रीम 11 के हटने के बाद नए स्पोंसर की तलाश में बीसीसीआई, जानें एशिया कप से पहले नया प्रायोजक मिलेगा या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैंटेसी स्पोर्टस कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पोंसर नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और BCCI विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा, 'हमारा रूख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद BCCI ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'BCCI अपने प्रायोजक ही परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। यह एक सरकारी नियम है और इसका पूरा पालन जरूरी है और मौजूदा हालात में उनके कारोबार पर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड के लाभ पर भी कुछ समय के लिए असर होगा लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।' अधिकारी ने यह भी कहा कि UAE में एशिया कप में भारत के पहले मैच में सिर्फ 15 दिन बचे है लिहाजा नया प्रायोजक उससे पहले तलाशना कठिन है। उन्होंने कहा, 'प्रक्रिया चल रही है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के करार के लिए विज्ञापन देना है।

एशिया कप में भारत को विराट, रोहित की कमी खलेगी : बाजिद

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बाजिद खान ने कहा है कि एशिया के लिए भारतीय टीम काफी अच्छी है पर उसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की कमी महसूस होगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अन्य टीमों के खिलाफ अच्छा रहा है पर वह हमारे खिलाफ असफल रहे हैं। बाजिद ने कहा कि सूर्यकुमार पाक के खिलाफ रन नहीं बना पाये हैं। अन्होंने कह, सूर्यकुमार ने तकरीबन हर किसी के खिलाफ रन बनाए हैं परन्तु वक एक बार भी हमारे खिलाफ चल नहीं पाये हैं। अब उसका कारण जो भी रहा हो पर वह प्रभावी रहीं रहे हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट और रोहित गैरमौजूदगी को लेकर उन्होंने कहा, देखिए, ये दोनो खिलाड़ी शीर्ष स्तर के हैं। पाक में उनके बराबर का कोई खिलाड़ी नहीं है। विराट और रोहित खेल में तेजी लाते हैं जिसकी कमी आ अहसास भारतीय टीम को जरुर होगा। साथ ही ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के नहीं होने से भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, लोग विराट और रोहित के बारे में तो बात करते हैं पर जडेजा ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम की कठिन समय में सहायता करते हैं। भारतीय टीम के पास स्पिनर अक्षर पटेल हैं पर जडेजा के होने से आपको एक बल्लेबाज, एक गेंदबाज और एक बेतरीन क्षेत्ररक्षक भी मिलता है जो खेल को नियंत्रित करता है। वह विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दो क्षेत्ररक्षकों में शामिल रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगी। वहीं भारत आर पाक के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होगा।

बुची बाबू टूर्नामेंट की तीसरी पारी में पृथ्वी ने लगाया अर्धशतक

चेन्नई। बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन यहां जारी बुची बाबू टूर्नामेंट में मिला-जुला रहा है। अब तक पृथ्वी ने इस टूर्नामेंट में खेली तीन पारियों में एक शतक एक अर्धशतक लगाया है पर एक पारी में वह एक रन ही बना पाये। अपने इस प्रदर्शन से साफ है कि पृथ्वी फार्म हासिल करने के करीब हैं। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ कठिन हालातों में 111 रनों की आक्रामक पारी खेली पर दूसरी पारी में वह केवल एक ही रन बना पाए और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए, क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम ने यह मुकाबला 35 रनों से अपने नाम कर लिया। वहीं टीएनसीए प्रेसिडेंट्स इलेवन के खिलाफ खेले गए एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 384 रन बनाये थे। इसके जवाब में महाराष्ट्र की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे पृथ्वी ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को आगे बढ़ाया। पृथ्वी ने 57 गेंदों में 47 रन बनाये और पहली ही गेंद पर तीन रन लेकर अपना अर्धशतक बनाया। पृथ्वी ने 96 गेंदों में 66 रन भी बनाये।

शाकिब अल हसन के टी20 में 500 विकेट पूरे, इन खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

एंटीगुआ । शाकिब अल-हसन कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स पर एंटीगुआ एंड बारबुडा की जीत के साथ टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि हासिल करने के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (660 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (631) और सुनील नरेन (590) और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर (554) के साथ संयुक्त रूप से अपना नाम दर्ज कराया है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में कम स्कोर वाले मैच में उन्होंने केवल 6 गेंदों में 11 रन देकर 3 विकेट लिए और यह रिकॉर्ड बनाया। पैट्रियट्स ने फाल्कन्स के सामने जीत के लिए 134 रनों का लक्ष्य रखा, क्योंकि उनके अंतिम छह बल्लेबाजों ने केवल 22 रन बनाए। फाल्कन्स ने दो गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें करीमा गोर 47 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी के साथ ही शाकिब ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 18 गेंदों में 25 रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। इस जीत के साथ फाल्कन्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपने से नीचे की टीमों की तुलना में कुछ ज्यादा मैच खेले हैं।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।'

रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है।'

रोहित ने कहा, 'जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा काम पर्दे के पीछे से शुरू होता है। जैसा कि मैंने कहा, तैयारी में। आप मैदान पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं।'

रोहित ने कहा कि उनके लिए भी यह

कोई अलग बात नहीं रही और समय के साथ उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास को अधिक समय देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जब मैंने मुंबई के लिए खेलना शुरू किया और फिर भारत के लिए खेलने लगा। मेरा ध्यान और समय इस बात पर केंद्रित था कि मैं मैच से पहले कैसे तैयारी करता हूं।'

नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

न्यूयॉर्क । नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के पहले दौर में उत्साही किशोर लर्नर टिएन को हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में रविवार रात खेले गये पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 19 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को दो घंटे 25 मिनट में 6-1, 7-6(3), 6-2 से हराया। विंबलडन के बाद पहली बार खेल रहे 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की और 24 मिनट के शुरुआती सेट में केवल एक गेम गंवाया। हालांकि रात्रि सत्र में पदार्पण कर रहे टिएन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर देते हुए दमदार बेसलाइन खेल और घरेलू दर्शकों के समर्थन से वापसी की और दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट भी हासिल किया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि दूसरे सेट में संयम बनाए रखना और टाईब्रेकर में जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद जरूरी था। इसके बाद मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मुझे पता है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकता हूं, लेकिन इस साल के अभियान की शुरुआत करने का यह एक शानदार तरीका है।' इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम में पहले दौर में दबदबे का जोकोविच का शानदार रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया है। 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से उन्होंने किसी भी बड़े टूर्नामेंट के पहले दौर का मैच नहीं गंवाया है। उनकी लगातार 75 जीत है।

महिला विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर । अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी। पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी। इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है। महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।।

अमेरिकी ओपन : जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क । विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते। अजारेंका ने अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता। वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की। एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

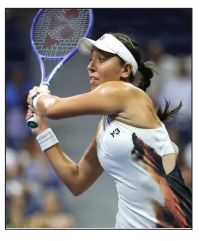

पुजारा से पहले भी कई दिग्गजों को नहीं मिली थी सम्मानजनक विदाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानजनक विदायी नहीं मिल पायी है। अब इसमें एक नाम चेतेश्वर पुजारा का भी जुड़ गया है। पुजारा ने रविवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं इससे पहले आर अश्विन ने भी अचानक की खेल को अलविदा कह दिया था। जिन खिलाड़ियों को विदायी मैच नहीं मिले उनमें पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं हालांकि इन सभी के बड़े कद और भारतीय जिन्हें स्टेडियम में दर्शकों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी निश्चित तौर पर सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।

पुजारा टेस्ट के विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। टीम इंडिया के लिए खेलने की प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने मोटी कमाई वाली आईपीएल को भी महत्व नहीं दिया। उन्हें टेस्ट में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण का मिश्रिण कहा जाता था। दिग्गजों का मानना है कि पुजारा को खेल के मैदान से अपने पसंदीदा खेल को अलविदा कहने का मौका मिलना चाहिए था। वहीं तीनों प्रारुपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को भी साल 2020 में विदायी नहीं मिली थी और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं 2011 वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने तो साल 2019 में विदाई मैच की मांग तक की थी पर बीसीसीआई ने उसे ठुकरा दिया था। टीम चयन में लगातार उपेक्षा के बाद युवराज ने खेल को अलविदा कह दिया था। सहवाग ने साल 2013 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 2 साल तक इंतजार किया कि उन्हें मैदान में क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका मिल जाए पर उन्हें सम्मानजनक विदाई नहीं मिली। वहीं वीवीएस लक्ष्मण ने साल 2012 में कुछ दिन पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं जहीर खान, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर का भी कोई विदायी मैच नहीं मिला था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारत्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 127 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॉमेडिन समय रैना को सुप्रीम कोर्ट से फटकारज्जकमाई के लिए किसी का मजाक नहीं बना सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा है कि किसी को भी कमाई करने के मकसद से किसी का भी मजाक उड़ाने की आजादी नहीं मिल सकती है। इतना ही नहीं अभिव्यक्ति की आजादी के तहत किसी भी तरह का संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने

मामले में तल्ख टिप्पणी की कि जब आप अपने भाषण का व्यवसायीकरण कर रहे हैं, तब आप इसके जरिए किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा सकते। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कॉमेडिन समय रैना और अन्य हास्य कलाकारों को विकलांग व्यक्तियों का मजाक उड़ाने वाले चुटकुलों के लिए कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हर व्यक्ति की गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए और यहीं हम कर रहे है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से प्रभावित मरीजों और परिवारों की मदद करता है। याचिका में विकलांग व्यक्तियों का मज़ाक उड़ाने वाले चुटकुलों की ओर अदालत का ध्यान दिलाया गया था। अदालत ने जिन हास्य कलाकारों की आलोचना की है, उसमें सबसे बड़ा नाम समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का शामिल हैं।

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में अगली सुनवाई 26 सितंबर को

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल की एक अदालत ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विवादित बयान मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की है। जानकारी के मुताबिक अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने निचली अदालत से रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण सुनवाई की अगली तारीख 26 सितंबर तय की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सगीर सैफी ने बताया कि अदालत ने इस मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड मांगा था, लेकिन आज तक अदालत में रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की गई। अदालत में याचिकाकर्ता ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी पर आरोप लगाया है, '15 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा-आरएसएस से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट से है।' याचिकाकर्ता हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने कहा, '15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान विपक्ष के नेता (लोकसभा) राहुल गांधी ने कहा था कि 'हमारी लड़ाई केवल आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) और भाजपा से नहीं बल्कि इंडिया स्टेट (भारत सरकार) से है। हिंदू शक्ति दल के प्रमुख ने कहा कि यह टिप्पणी देश के नागरिकों और लोकतंत्र के प्रति अनादर प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के बयान से देश भर के लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। मैंने पहले संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, मैंने 23 जनवरी को अदालत में मामला दायर किया।'

निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में दहेज की मांग को लेकर कथित तौर पर जिंदा जलाई गई 26 वर्षीय निक्की भाटी मर्डर केस में अब सभी नामजद चारों आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने हत्या के बाद से फरार चल रहे निक्की के ससुर सत्यवीर भाटी को भी सोमवार को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक यह चौथी गिरफ्तारी है। इसके पहले पुलिस ने निक्की के जेठ को भी सोमवार सुबह गिरफ्तार किया था। वहीं उसकी सास और पति को रविवार को गिरफ्तार किया गया था। दहेज के लिए निक्की को जिंदा जलाकर मारने के आरोपी पति विपिन भाटी को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल होने के बाद गिरफ्तार किया था और आरोपी पति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतवीर भाटी (55) और रोहित भाटी (28) के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस ने एक गुप्त सूचना और मैन्युअल खुफिया जानकारी के आधार पर सिरसा टोल चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों गिरफ्तारियां अलग-अलग की गईं और दोनों के बीच कुछ समय का अंतर था। बेटी की मौत के बाद मृतका निक्की के परिजनों ने दावा किया कि 2016 में उसकी शादी के बाद से ही 36 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था, जबकि उन्होंने निक्की के ससुराल वालों की स्कॉर्पियो वाहन और बुलेट बाइक की मांग पूरी भी कर दी थी। निक्की के माता-पिता ने विपिन के पूरे परिवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाइक सवार चार किशोरों की मौत, कार ने मारी जोरदार टक्कर

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र ग्रेटर नोएडा में ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा पुस्ता रोड पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही वैगनआर कार ने बाइक सवार चार किशोरों को टक्कर मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हुए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर के रूप में हुई है। चारों की उम्र 16 से 18 वर्ष के बीच थी और वे दोस्त थे। चारों टीवीएस राइडर बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही वैगनआर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों किशोर सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और सभी को सेक्टर-39 जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

अमित शाह का दावा: सुदर्शन रेड्डी की वजह से देश में दो दशक तक चला नक्सलवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसमें एनडीए और इंडिया गठबंधन ने अपने अपने उम्मीदवार खड़े किए है। वहीं संविधान संशोधन बिल भी देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। जेपीसी में शामिल होने को लेकर सपा और टीएमसी ने खुद को अलग कर लिया है। ऐसे में इस बिल पर क्या असर पड़ेगा। ऐसे कई सवालों को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने बतौर सुप्रीम कोर्ट जज सलवा जुडूम को खारिज कर आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया था। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चलाज्मेरा मानना ??है कि वामपंथी विचारधारा ही (सुदर्शन रेड्डी को चुनने का) मानदंड रही होगी।

जेपीसी शामिल हों या न हो काम तो होगा ही

शाह ने जोर देकर कहा कि सरकार ने विधेयक को जेपीसी को भेजकर एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है, ताकि सभी दलों की राय सुनी जा सके। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि विपक्ष इस चर्चा में शामिल हो और अपनी राय दे। लेकिन अगर वे बहिष्कार करते हैं तो सरकार क्या करे? यह विधेयक देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए है और हम इसे पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाएंगे। यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष ने 130वें संशोधन विधेयक को असंवैधानिक बताकर इसका विरोध किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री गंभीर अपराध के लिए 30 दिनों से अधिक जेल में रहता है और उसे जमानत नहीं मिलती, तो उसे अपने पद से हटना होगा। अमित शाह ने कहा कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक की जांच के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की एक संयुक्त समिति गठित की जाएगी, जिसमें सभी दलों के सदस्य शामिल होंगे। इस समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति करेंगे। शाह ने कहा कि यह समिति सभी पक्षों की राय सुनेगी और विधेयक पर चर्चा करेगी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष इसमें शामिल नहीं होगा तब भी जेपीसी अपना काम करेगी।

आप का उदाहरण दिया कहा- विपक्ष का दोहरा रवैया

अमित शाह ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का भी जिक्र किया, जिन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि जेल जाने के बाद भी इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। शाह ने इसे विपक्ष के दोहरे रवैये का उदाहरण बताया। विपक्ष खासकर कांग्रेस पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। उन्होंने यूपीए सरकार के समय का जिक्र किया, जब मनमोहन सिंह सरकार ने सजायाफ्ता सांसदों को बचाने के लिए एक अध्यादेश लाया था। शाह ने कहा कि सत्येंद्र जैन (आप नेता) के मामले में उन्हें चार मामलों में जेल हुई और सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की। वे मुकदमे का सामना कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने भी ऐसा किया। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और लालू प्रसाद यादव को सजा हुई थी, तब यूपीए सरकार ने एक अध्यादेश लाया कि दो साल की सजा होने पर भी सांसद की सदस्यता तब तक रद्द नहीं होगी, जब तक अपील की प्रक्रिया पूरी न हो।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की जेड श्रेणी सुरक्षा मोदी सरकार ने ली वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे थे। केंद्र सरकार ने आनन-फानन में उन्हे जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करा दी थी। पर 24 घंटे भी नहीं हुए उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई। केंद्र ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को दी गई केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 'जेडश्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली है। कुछ दिन पहले ही गुप्ता पर हुए हमले के बाद उन्हें यह सुरक्षा प्रदान की गई थी। इस घटना के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विशिष्ट व्यक्तियों को दी जाने वाली सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी विंग को केंद्र के जेड श्रेणी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा वापस ले ली गई है और अब दिल्ली पुलिस ही फिर से मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ सुरक्षा बढ़ाने का आदेश केंद्र द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया जाना था, लेकिन योजना में बदलाव हुआ और सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए गए। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री पर हमले की जांच के सिलसिले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी सकारिया भी शामिल है, जो गुजरात के राजकोट का निवासी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सुरक्षा का जिम्मा फिर से दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया है। सीएम रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह सिविल लाइंस इलाके में स्थित उनके ऑफिस में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान गुजरात के राजकोट निवासी एक व्यक्ति ने हमला कर दिया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को उनकी हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया था।

स्पेस स्टेशन से लौटे शुभांशु का लखनऊ पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

-एयरपोर्ट पर उमड़ा जनसैलाब, तिरंगा लहरा भारत माता की जय के लगाए नारे

लखनऊ (एजेंसी)। स्पेस स्टेशन से लौटे देश के गौरव शुभांशु शुक्ला का लखनऊ एयरपोर्ट पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पत्नी और बेटे के साथ पहुंचे शुभांशु का उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित हजारों लखनऊवासियों ने तिरंगों और फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। एयरपोर्ट परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान सेना के बैंड की धुनों ने वातावरण को और अधिक रोमांचक बना दिया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा कारणों से शुभांशु को अपने घर जाने की अनुमति नहीं दी गई है। उनका यह दौरा विशेष रूप से आयोजित विक्ट्री परेड तक ही सीमित रहेगा। परेड में शुभांशु विशेष कार में सवार होंगे, जबकि उनके परिवार के लिए अलग ओपन जीप की व्यवस्था की गई है। पुलिस का काफिला और सुरक्षा गाड़ियां पूरे कार्यक्रम के दौरान साथ रहेंगी। विक्ट्री परेड में स्कूली बच्चों का विशेष दल भी शामिल होगा, जो 'एस्ट्रोनॉट' की वेशभूषा में कदमताल करेगा। इस आयोजन को शुभांशु की ऐतिहासिक उपलब्धियों और भारत के अंतरिक्ष मिशन में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। परेड से पूर्व शुभांशु शुक्ला ने मीडिया से कहा, कि मैं बेहद उत्साहित हूं। अंतरिक्ष में बिताए हर पल ने मुझे यह एहसास कराया कि भारत अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मैंने स्पेस स्टेशन पर भारत की ताकत और वहां की जिंदगी के अनुभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी साझा किए।

रियल-मनी गेम में हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे... तभी मोदी सरकार लाई बिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। मोदी सरकार ने द प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पेश कर देश के युवाओं को नई दिशा देने का काम किया है। इससे एक ओर रियल-मनी गेम पर रोक लगेगी, दूसरी तरफ ई-स्पोर्ट्स और एजुकेशन प्लेटफॉर्म को बढ़ावा मिलेगा। अनुमान के मुताबिक, रियल-मनी गेम में करीब 45 करोड़ भारतीय हर साल 20,000 करोड़ रुपए गवां रहे थे। यह कई सामाजिक समस्याओं का कारण बना रही है। इसमें कर्ज के कारण आत्महत्या और बच्चों द्वारा अनजाने में माता-पिता की पूरी सेविंग्स ऑनलाइन गेम में दांव पर लगाना जैसे अपराध शामिल था।

मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग बिल सभी पक्षकारों की सहमति से मिलकर बनाया है। संपूर्ण दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए वित्त, खेल और आईटी मंत्रालयों के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), बैंकों, अभिभावक संगठनों और गेमिंग उद्योग से भी जानकारी ली गई। इस बिल से देश में ऑनलाइन गेम के भविष्य को सही दिशा मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में मौजूदा समय में 48.8 करोड़ लोग ऑनलाइन गेम खेलते हैं। आंकड़ा 2025 के अंत तक 50 करोड़ के पार जा सकता है। वहीं, ई-स्पोर्ट्स की व्यूअरशिप 2025 के अंत तक 64 करोड़ के पार पहुंचने की उम्मीद है। 2024 में गेमिंग स्टार्टअप ने 3,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया था, जो कि 2025 में 5,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025 पर इंडस्ट्री लीडर्स और लीगल जानकारों का कहना है कि इससे देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा।

जानकार ने कहा कि यह कानून न सिर्फ ई-स्पोर्ट्स को मान्यता देता है, बल्कि एडिक्शन, वित्तीय सुरक्षा, फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करता है। उन्होंने कहा कि यह कानून सभी प्रकार के रियल-मनी खेलों पर प्रतिबंध लगाकर

धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब भारत में बनेंगे तेजस एमके2 के जीई-इंजन, बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब भारतीय वायुसेना को और भी ज्यादा मजबूत करने के लिए काम कर रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अमेरिका की रक्षा दिग्गज जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस के बीच हुई डील के बाद अब भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-2 के लिए भारत में इंजन बनाने की बात शुरू हो गई है। इसके अलावा डीआरडीओ ने बेंगलुरु स्थित एक गैस टर्बाइन रिसर्च प्रतिष्ठान के साथ फ्रांस की कंपनी सफ्रान की डील को भी अंतिम रूप दे दिया है। यह दोनों मिलकर पांचवी पीढ़ी का उन्नत और मध्यम लड़ाकू विमान के इंजन बनाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का उद्देश्य अगले तीन महीनों में तेजस मार्क 2 के इंजन के लिए एचएएल और जीई के समझौते की बातचीत को अंतिम रूप देना है। ताकि इस समझौते के तहत जल्द से जल्द एफ414 इंजनों का उत्पादन भारत में होने लगे, जिनको तेजस मार्क 2 के लिए डिजाइन किया गया है। बता दें अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने लड़ाकू जेट विमानों के इंजनों के उत्पादन के लिए जून 2023 में एचएएल के साथ समझौता किया था। इस समझौते की घोषणा पीएम मोदी के अमेरीकी दौरे में की थी। हालांकि अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिलने के बाद आम शर्तों पर भी सहमति बन गई थी। उसके बाद भी यह डील ठंडे बस्ते में डाल दी गई। इस विषय के जानकारों का कहना है कि भारत सरकार और अमेरिका के बीच में इस इंजन को लेकर पिछले 10 सालों से बातचीत जारी है। जीई एयरोस्पेस इस इंजन की करीब 80 फीसदी तकनीक को भारत के साथ साझा करने को तैयार है। हालांकि इसमें कुछ अहम प्लाइंट्स को बाहर रखा गया है। बता दें शुरुआत में जीई केवल 58 फीसदी टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर के लिए तैयार हुआ था, लेकिन बाद में वह 80 फीसदी तकनीक के लिए तैयार है।

बिहार की वोटर लिस्ट में पाकिस्तानी महिला का नाम, गृह मंत्रालय की जांच के बाद हड़कंप

- मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवाल

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खबर है कि गृह मंत्रालय की जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान से आईं दो महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में हैं। दरअसल बिहार के भागलपुर में दो पाकिस्तानी महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में पाए जाने के बाद बिहार में हड़कंप मच गया है। यह भी पता चला है कि दोनों महिलाओं के पास मतदाता पहचान पत्र हैं। भागलपुर में इस चौंकाने वाली घटना के सामने आने के बाद चुनाव आयोग और प्रशासन में हड़कंप मचा है। मिली जानकारी के अनुसार, गृह मंत्रालय वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशी नागरिकों की जांच कर रहा है। गृह मंत्रालय को सूचना मिली थी कि भागलपुर में तीन पाकिस्तानी रह रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जांच के दौरान यह भी पता चला कि इमराना

खानम उर्फ इमराना खातून और फिरदौसिया खानम के पास मतदाता पहचान पत्र है। ये दोनों महिलाएं भागलपुर के भीखनपुर गुमटी नंबर 3, टैंक लेन, इशाकचक में रहती है। इन दोनों पाकिस्तानी महिलाओं ने कभी भारतीय नागरिकता नहीं ली। फिर भी, उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिए गए हैं। अभी तक उनका नाम सूची से नहीं हटाया गया है। इस संबंध में जांच की जा रही है। विशेष शाखा की इस चौंकाने वाली रिपोर्ट के बाद डीएम और एसएसपी को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि दोनों महिलाओं का नाम मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया चल रही है। चौधरी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए भी जांच की जा रही है कि किसकी लापरवाही से यह गंभीर गलती हुई। इस मामले में फिरदौसिया खानम के बेटे ने और भी चौंकाने वाला दावा किया है। मोहम्मद गुलौज ने कहा कि उनकी मां का जन्म 1945 में हुआ था और वह यहीं रहती हैं। सभी दस्तावेज जमा करने के बावजूद रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई है। बहरहाल यह मामला सामने आने के बाद मतदाता सूची की विश्वसनीयता और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पीएम मोदी का शैक्षणिक रिकॉर्ड नहीं होगा सार्वजनिक, सीआईसी आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीआईसी के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें पीएम मोदी की डिग्री को आरटीआई के तहत जानकारी साझा करने को कहा गया था। इसी के साथ अब प्रधानमंत्री मोदी के शैक्षणिक रिकॉर्ड का खुलासा नहीं किया जा सकेगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के लगभग आठ साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक याचिका के जवाब में पीएम मोदी की डिग्री की जानकारी साझा करने को कहा गया था। मालूम हो कि विश्वविद्यालय ने निजता संबंधी चिंता जाहिर करते हुए सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। यहां केंद्रीय सूचना आयोग का कहना था, कि किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति, खासकर प्रधानमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति की शैक्षिक

योग्यताएं पारदर्शी होनी चाहिए। सीआईसी ने यह भी कहा कि ऐसी जानकारी दर्ज किए जाने वाले रजिस्टर को एक सार्वजनिक दस्तावेज माना जाना चाहिए। विश्वविद्यालय की ओर से उच्च न्यायालय में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया। डीयू की ओर से तर्क दिया गया कि हजारों छात्रों का निजता का अधिकार जनता के सूचना के अधिकार से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

क्या है डिग्री से जुड़ा मामला?

यहां बताते चलें कि पीएम मोदी की डिग्री संबंधी मामला तब चर्चा में आ गया जबकि साल 2016 में एक आरटीआई आवेदक ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से कला स्नातक (बीए) पाठ्यक्रम के सभी छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक रिकॉर्ड 1978 में मांगे थे। दरअसल इसी वर्ष प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्नातक उपाधि प्राप्त की। पीएम मोदी की डिग्री संबंधी यह मामला करीब एक दशक से चल रहा है।

जोधपुर में 5 सितंबर से आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय समिति की बैठक... आखिर क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 सितंबर 2025 से राजस्थान के जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय समिति की तीन दिवसीय बैठक होने वाली है। आरएसएस की ओर से जारी बयान में हर साल होने वाली बैठक बताया है। लेकिन, आरएसएस-बीजेपी के बीच संबंधों में आए बदलाव के बाद बैठक की अहमियत बढ़ गई है। 5 से 7 सितंबर तक संघ की बैठक में इसके तमाम बड़े पदाधिकारी और इसके अनेकों संगठनों से जुड़े लोग शामिल हो रहे है। आरएसएस की यह बैठक 2 अक्टूबर को इसकी स्थापना के सौ साल पूरे होने से ठीक एक महीने पहले आयोजित की जा रही है। संघ के लिए यह एक ऐसा दौर है, जिसमें बीजेपी के साथ इसकी ताल्लुकातों में अप्रत्याशित मोड़ आता नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त पर आरएसएस की जिस तरह से सराहना की है, वैसा अभी तक कभी नहीं हुआ था। एक तरह से इस तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में संघ का जिक्र तक करने से परहेज करने की परंपरा सी बनी हुई थी। बीजेपी सरकार ने भी कभी इसकी कोशिश नहीं की थी। यही नहीं, इसके तुरंत बाद ही पीएम मोदी ने उपराष्ट्रपति पद के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार तय किया, जो शुरू से संघ से जुड़े रहे हैं। इसतरह के मौके पर बीजेपी सहित संघ के तमाम संगठनों का जोधपुर में जुटना बहुत मायने रखता है।

बताया जा रहा हैं कि आरएसएस के कार्यक्रम में इसके राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य और कोऑर्डिनेटर पहुंचने वाले हैं। इसमें खुद आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी 6 सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेने वाले है। इसके अलावा बैठक में बीजेपी सहित संघ से जुड़े 32 संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहने वाले है। जिसमें राष्ट्र सेविका समिति, विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी),वनवासी कल्याण आश्रम, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती और भारतीय मजदूर संघ शामिल हैं।

इतना ही नहीं इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होने वाले है। इसके अलावा बीएल संतोष भी मौजूद रहने वाले है। जो पार्टी के महासचिव (संगठन) हैं। यह पद बीजेपी में बहुत ही ज्यादा प्रभावशाली रहा है, क्योंकि इसपर बैठा व्यक्ति पार्टी में संघ का प्रतिनिधि माना जाता है और दोनों ही संगठनों के बीच कड़ी की जिम्मेदारी निभाता है। इनके अलावा बीजेपी नेता सुनील बंसल, शिवप्रकाश, सौदान सिंह और वी सतीश की मौजूदगी से भी अंदाजा लग जाता है कि पार्टी के लिए आरएसएस की यह बैठक कितनी महत्वपूर्ण है।

बीजेपी के लिए संघ की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि हाल ही में

मोहन भागवत ने 75 साल की उम्र होने पर सार्वजनिक जीवन छोड़ने और नए लोगों को मौका देने की बात कह चुके हैं। राजनीतिक जगत में अटकलें हैं कि यह पीएम मोदी के लिए इशारा हो सकता है, जो इस साल 17 सितंबर को 75 वर्ष के होने वाले हैं। खुद भागवत भी 75 साल पूरे कर रहे हैं और संघ की परंपरा के मुताबिक उन्हें भी अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित करना है। वैसे यह घोषणा आरएसएस के शताब्दी वर्ष पूरे होने से पहले होने की संभावना नहीं है।

गाजा में इजरायल के भीषण हमले जारी, हवाई हमले में 33 फलस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में बेघर और भूखे-प्यासे फलस्तीनियों पर इजरायली हमले जारी हैं। टेंट में रह रहे और खाना लेने गए लोगों पर हवाई हमले और फायरिंग में शनिवार को 33 लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सबसे बड़े शहर गाजा सिटी और उसके आसपास के इलाके को अकालग्रस्त घोषित किए जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की है।

हवाई हमले में 17 लोग मारे गए

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने गाजा पर कार्रवाई को लेकर इजरायल पर प्रतिबंध लगाने में सरकार के विफल रहने के बाद इस्तीफा दे दिया है। शनिवार तड़के खान यूनिस शहर के बाहर लगे विस्थापितों के टेंट पर हुए हवाई हमले में 17 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। मारे गए लोगों में आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

मारे गए दो बच्चों के चाचा अवाद अबू अगला ने कहा कि गाजा में कोई भी जगह और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। सभी जगह बमबारी हो रही है। जबकि उत्तरी गाजा में जिकिम क्रासिंग के निकट खाना लेने गए लोगों पर फायरिंग में पांच लोग मारे गए हैं। अन्य स्थानों पर हुए इजरायली हमलों में 11 लोग मारे गए हैं।

इजरायली सेना ने जारी किया बयान

इजरायली सेना ने कहा है कि सैनिकों के लिए खतरा पैदा होने पर हवाई फायरिंग की गई थी। किसी को निशाना बनाकर गोली नहीं चलाई गई। कुछ वर्षों पहले इजरायल को मान्यता देने वाले अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाजा की स्थिति और वेस्ट बैंक को बांटने की इजरायली योजना की कड़ी निंदा की है।

इजरायल पर हाउती का ड्रोन हमला, कई घायल

शनिवार तड़के यमन के ड्रोन हमले में इजरायली शहर तेल अवीव में कई लोग लोग घायल हुए और हजारों लोगों को कई घंटे तक भूमिगत सुरक्षित स्थलों में रहना पड़ा। इस हमले के चलते शहर के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का आवागमन घंटों बाधित रहा।

शनिवार रात हवाई अड्डे पर यातायात सामान्य हो सका। इजरायली सेना ने दावा किया है कि यमनी हवाई हमले को रोकने की कई कोशिशों के बाद ड्रोनों को गिराया जा सका। इससे कुछ अव्यवस्था पैदा हुई। विदित हो कि यमन के हाउती संगठन ने दो हजार किलोमीटर दूरी से यह हमला किया था।

एमीन एर्दोगन ने मेलानिया से गाजा के लिए आवाज उठाने को कहा

तुर्किये की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया को पत्र लिखकर गाजा के बच्चों और महिलाओं के लिए भी आवाज उठाने का अनुरोध किया है। मेलानिया ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पति ट्रंप के जरिये पत्र देकर यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द युद्ध खत्म करने का अनुरोध किया था।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाए भारत, यूक्रेनी राजदूत बोले– बातचीत के जरिये समस्याओं का निकले हल

मास्को , एजेंसी। रूस–यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए, क्योंकि यूक्रेन शांति वार्ता में भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। रूस का पुराना सहयोगी होने के चलते भारत यह कार्य कर सकता है। यह बात भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कही है। यूक्रेन के नेशनल फ्लैग डे पर साक्षात्कार में पोलिशचुक ने कहा कि भारत के साथ उनके देश की बातचीत 2023 से बढ़ी है। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि रूस–यूक्रेन युद्ध में भारत तटस्थ नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत के जरिये समस्याओं को सुलझाने का समर्थन करता है। भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद यूक्रेन ने युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना और अब शांति वार्ता में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। इस बीच युद्ध में शनिवार को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश की। इसके चलते मॉस्को और उसके आसपास के शहरों का हवाई यातायात कई घंटे रुका रहा। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को पहुंचने से पहले इन ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के तेल आपूर्ति तंत्र पर गुरुवार रात यूक्रेन के हमले से हंगरी और स्लोवाकिया की तेल आपूर्ति कम से कम पांच दिनों के लिए ठप हो गई। यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस में भीषण आग लग गई है जिसे तेल आपूर्ति बंद करके नियंत्रित किया जा रहा है। यूक्रेन ने रूस की द्रुज्बा तेल पाइपलाइन और कुछ अन्य स्थानों पर हमले किए हैं। जबकि रूस ने भी यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले किए हैं जिससे आने वाले सर्दी के मौसम में यूक्रेनी नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद 2022 से रूस से तेल और गैस की आपूर्ति काफी कम कर दी है। उनकी योजना 2027 तक इस आपूर्ति को शून्य कर देनी है। लेकिन यूरोपीय संघ के सदस्य हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस से अपने रिश्ते बनाए रखे हैं। उन्होंने रूस पर लगाए प्रतिबंधों का भी विरोध किया है। दोनों देशों ने द्रुज्बा पाइपलाइन से होने वाली तेल आपूर्ति रोकने के प्रयास की निंदा की है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के पुराने मामलों में निर्वासन का खतरा, ट्रंप प्रशासन ने डीयूआई एक्ट का समर्थन किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एचआर.875 या प्रोटेक्ट आवर कम्युनिटीज फ्रॉम डीयूआई एक्ट का समर्थन करने से अप्रवासी समुदाय, खासकर भारतीय प्रवासियों के लिए खतरा बढ़ गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने (डीयूआई–ड्राइव अंडर इन्फ्लूएंस) के पुराने मामलों में अब अमेरिका में निर्वासन के खतरे की घंटी से ग्रीन कार्ड व वीजा धारकों की चिंता बढ़ गई है। यह विधेयक हाउस में पास हो चुका है और अब इसे सीनेट में समर्थन मिल रहा है, जिसे व्हाइट हाउस का भी समर्थन प्राप्त है। अभी तक, कम गंभीर डीयूआई अपराधों के कारण आमतौर पर निर्वासन या अमेरिका में प्रवेश पर रोक नहीं लगती थी। लेकिन, विल के कानून बनने से स्थिति बदल जाएगी। आप्रवासन वकील जोसेफ त्सांग ने कहा, कानून बना तो किसी भी गैर अमेरिकी नागरिक को सिर्फ एक पुराने डीयूआई रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिका से बाहर निकाला जा सकता है या उसे वापस आने से रोका जा सकता है। इस खतरे को देखते हुए, आप्रवासन वकील उन सभी ग्रीन कार्ड धारकों को सलाह दे रहे हैं जो नागरिकता के लिए पात्र हैं कि वे तुरंत इस प्रक्रिया को शुरू करें। इसके अलावा, जिन लोगों के पास डीयूआई का रिकॉर्ड है, उन्हें जल्द से जल्द कानूनी सलाह लेने और अपनी रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाने की सलाह दी गई है। इस बिल का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि इसमें दोषी ठहराए जाने की भी जरूरत नहीं है। एक लॉ फर्म, लैंडरहोम इमिग्रेशन, के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति ने कभी शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकार भी की होगी तो उसको अमेरिका में रहने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह नियम तब भी लागू होगा जब आरोप हटा दिए गए हों या घटना कई साल पहले हुई हो। यह एक बेहद कठोर और व्यापक मानक है। त्सांग ने कहा, इसमें कोई दो राय नहीं कि डीयूआई गंभीर है क्योंकि यह जान ले लेती है और दर्द देती है। इसका उद्देश्य हमारे समुदायों को सुरक्षित बनाना है और यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे हम सभी साझा करते हैं। लेकिन इस बिल के मामले में मुद्दा आनुपातिकता और प्रक्रिया का है। यह विधेयक व्यक्ति के संदर्भ या सुधार की संभावना पर विचार नहीं करता। जैसे दस वर्ष पुराने डीयूआई रिकॉर्ड वाला ग्रीन कार्ड धारक के विदेश जाने पर बिल उसके वापस लौटने से पहले कानून बनता है, तो उसे देश में प्रवेश से रोका जा सकता है।

फटेहाल पाकिस्तान में फैक्ट्रियों से ज्यादा हैं मस्जिद और मदरसे, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में हाल ही में पहली बार आर्थिक जनगणना का आंकड़ा जारी हुआ है। इस रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है, क्योंकि पाकिस्तान में मस्जिदों और मदरसों की संख्या उद्योग-कारखानों से कहीं ज्यादा है। पाक के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने यह रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में करीब 6 लाख मस्जिदें हैं जबकि सिर्फ 23 हजार फैक्ट्रियां चल रही हैं। इतना ही नहीं, 36 हजार धार्मिक मदरसे भी दर्ज किए गए हैं जो फिर से उद्योग से ज्यादा है।

हालांकि, छोटे उत्पादन यूनिट की संख्या 6.43 लाख बताई गई है। यह आंकड़ा पाकिस्तान की जनगणना से इकट्ठा किया गया और 21 अगस्त को आधिकारिक तौर पर जारी किया गया। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) से 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दूसरी समीक्षा पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसों और मस्जिदों की सबसे ज्यादा संख्या पंजाब प्रांत में है। डेटा के अनुसार, पाकिस्तान में 4 करोड़ स्थायी यूनिट मौजूद हैं। इनमें से 72 लाख रोजगार वाले ढांचे हैं, जहां साल 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। सबसे ज्यादा लोग सर्विस सेक्टर में काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट जारी करते हुए अहसान इकबाल ने कहा, विश्वसनीय आंकड़े ही स्थायी विकास की रीढ़ हैं। इससे नीतियां सही तरह से बनती हैं और फैसले लेने में आसानी होती है।

हसीना के पतन का असर: बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकी बढ़ी, 13 साल बाद ढाका पहुंचे पाक विदेश मंत्री

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। यह 2012 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई इतना बड़ा अधिकारी बांग्लादेश गया है। बीते 72 घंटों में दोनों देशों के कई बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों की मुलाकातें हो चुकी हैं। डार ने कहा कि वह बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौता होने की उम्मीद है।

भारत पर नजर : विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत-बांग्लादेश रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अप्रैल के पहलगाम हमले और मई में हुए सैन्य संघर्ष के बाद बेहद नाजुक हो गए हैं। अमेरिकी विश्लेषक माइकल कूगलमान के मुताबिक, बांग्लादेश कभी भारत का सबसे करीबी साझेदार रहा है, लेकिन अब वह भारत के प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है।

बदलती विदेश नीति : शेख हसीना को भारत में शरण मिलने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ समुद्री व्यापार शुरू किया। फरवरी 2025 में दोनों देशों ने सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ाने का ऐलान किया।

पिछले हफ्ते पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान ने ढाका में निवेश बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमीशन बनाने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडर भी मिले।

1971 की छाया और नई राजनीति : बांग्लादेश कभी पाकिस्तान का हिस्सा रहा है और 1971 में अलग होकर स्वतंत्र हुआ था। आज भी ढाका के कई लोग पाकिस्तान से उस दौर की हत्याओं और अत्याचारों के लिए माफी की मांग करते हैं.। लेकिन मौजूदा अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस का रुख अलग है। वे भारत पर आरोप लगाते हैं कि उसने शेख हसीना को गंभीर अपराधों से बचाया। हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का आरोप है। यही आंदोलन इतना बड़ा हुआ कि उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा।

थॉमस कीन (इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप) का कहना है, हसीना का पतन भारत के लिए रणनीतिक झटका था, और बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकियां उसी का नतीजा हैं। फिलहाल, बांग्लादेश ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है और फरवरी 2026 में चुनाव होंगे। ढाका का आरोप है कि भारत अब भी आवामी लीग का समर्थन कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि उसकी जमीन किसी भी विदेशी राजनीतिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं होती।

विदेश में गुपचुप दूसरी शादी रचाना पड़ा महंगा, भारतीय शख्स अब भुगत रहा जेल, कैसे खुली पोल

सिंगापुर, एजेंसी। एक भारतीय शख्स को विदेश में गुपचुप शादी रचाना काफी महंगा पड़ गया। अब दो शादियां रचाने के आरोप में इस व्यक्ति को जेल की सजा हो गई है। आरोपी की पहचान 49 वर्षीय वैथियालिंगम मुथुकुमार के रूप में हुई है। इस व्यक्ति ने 15 साल पहले पहला विवाह रचाया था। गौरतलब है कि सिंगापुर में दो शादियां रचाना कानूनन अपराध है। मुथुकुमार को तीन महीने और तीन हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई है।

सहकर्मी के साथ अफेयर : मुथुकुमार की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। साल 2011 में सिंगापुर में उनका अपनी सहकर्मी के साथ अफेयर शुरू हो गया। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला, सलमा बी अब्दुल रज्जाक के साथ मुथुकुमार का अफेयर था, उसे पता था कि वह शादीशुदा हैं। इसके बावजूद वह सिंगापुरी महिला मुथुकुमार के शादी रचाने के लिए तैयार हो गई। बताया जाता है मुथुकुमार ने उसके ऊपर शादी के लिए काफी दबाव डाला था। मुथुकुमार ने कहा था कि उसे एक बच्चा चाहिए। इतना ही नहीं, उसने सलमा से यह भी वादा किया था कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

ऐसे खुली पोल : अगस्त 2022 में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाज से शादी कर ली। एक भारतीय मुस्लिम धर्मगुरु ने दोनों की शादी रजिस्टर कराई। रिपोर्ट के मुताबिक शादी के बाद दोनों वापस सिंगापुर पहुंच गए।

यहां पर मुथुकुमार अपनी पहली पत्नी के साथ ही रहता था। हालांकि बीच-बीच में समय निकालकर वह सलमा से मिलने जाया करता था। 14 सितंबर 2023 को सलमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसी समय मुथुकुमार की पोल खुल गई। असल में मुथु की पहली पत्नी उसी अस्पताल में काम करती थी, जहां सलमा के बच्चे का जन्म हुआ था। जब उसने मुथु को डिलीवरी सुइट से बाहर आते देखा तो उसे शक हुआ। उसे पता था कि यह सुइट किसी आने-जाने वाले के लिए नहीं खोला जाता। ऐसे में उसने मुथु से पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद मुथु ने उसे अपनी दूसरी शादी और बच्चे के जन्म के बारे में बताया।

रिजेक्ट हो गया अप्लीकेशन : इसके बाद मुथुकुमार ने सिंगापुर में स्थायी निवास के लिए अप्लाई किया। कानूनी दस्तावेजों में उसने झूठ बोला कि उसकी दूसरी कोई शादी नहीं हुई है। हालांकि एक महीने बाद सलमा ने मंत्रालय को बता दिया कि मुथु ने दो शादियां की हैं। इसके बाद उसका अप्लीकेशन रिजेक्ट हो गया। इसके बाद मामला शीर्ष अधिकारियों तक पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि उसने अपनी दोनों पत्नियों को धोखा दिया है। जहां उसने पहली पत्नी को दूसरी शादी की बात नहीं बताई। वहीं, दूसरी पत्नी से यह कहकर विवाह रचाया कि वह पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

अफगानिस्तान से जाते वक्त अमेरिका छोड़ गया था हथियार, अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा तालिबान

काबुल , एजेंसी। पाकिस्तान ने अमेरिका से कहा है कि वह अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार वापस ले। ये हथियार आतंकवादियों के हाथों में जा रहे हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। अफगानिस्तान से वापसी के दौरान बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार वहीं छूट गए थे।

पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अमेरिकी हथियारों का अनियंत्रित प्रसार पाकिस्तान की स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन द्वारा अनुमानित सात अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी हथियारों के भंडार में बख्तरबंद वाहन, उन्नत आग्नेयास्त्र, बायोमीट्रिक सिस्टम और अन्य संवेदनशील उपकरण शामिल हैं।

माना जाता है कि इनमें से कई हथियार पाकिस्तानी तालिबान द्वारा जब्त कर लिए गए और अब

पाकिस्तान सेना के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं। खोस्त और पक्तिका जैसे अफगान के ब्लैक मार्केट में अमेरिका निर्मित हथियारों की कीमतें आसमान छू रही हैं। एक एम4 राइफल 4,200 डॉलर से अधिक में बिकती है, जबकि एक एम16 राइफल 1,400 डॉलर में बिकती है। चीनी राइफलें कम दामों पर उपलब्ध हैं, लेकिन आतंकी अमेरिकी मॉडलों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को ज्यादा पसंद करते हैं। द वाशिंगटन पोस्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि नाटो द्वारा आपूर्ति किए गए 4,00,000 हथियार तालिबान के नियंत्रण में हो सकते हैं।

तीन अस्पताल, 460 महिलाओं की गुप्त वीडियो ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर पर गंभीर आरोप

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई अस्पतालों के शौचालयों में गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने के आरोपी प्रशिक्षु सर्जन को शुक्रवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। विक्टोरिया राज्य के सर्वोच्च न्यायालय के दस्तावेजों में पुलिस ने आरोप लगाया है कि 28 वर्षीय रयान चो पर लगभग 500 आरोप लग सकते हैं, जो 2021 से मेलबर्न के तीन अस्पतालों के स्टाफ शौचालयों में फोन से गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए गए 4,500 अंतरंग वीडियो से संबंधित हैं।

सशर्त जमानत पर रिहाई का आदेश : न्यायमूर्ति जेम्स इलियट ने फैसला सुनाया कि जूनियर डॉक्टर को इस शर्त पर रिहा किया जाए कि वह अपने माता-पिता के साथ रहे, जो अपने बेटे की रिहाई की उम्मीद में सिंगापुर से मेलबर्न आए थे। उनके माता-पिता को 50000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32000 अमेरिकी डॉलर) की जमानत देनी होगी। दूसरी ओर अभियोजक ने तर्क दिया कि आरोप लगने के बाद चो ने भागने की कोशिश की थी। नौकरी से निलंबित होने के बाद ऑस्ट्रेलिया से उसका कोई मजबूत संबंध नहीं था।

हैमिल ने कहा कि चो अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया का स्थायी निवासी बन गया था, लेकिन अगर उसे दोषी ठहराया गया और 12 महीने या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई गई, तो उसे निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। जज ने कहा कि चो ने अपना सिंगापुर पासपोर्ट जमा कर दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ने में उसकी कोई आपराधिक भूमिका नहीं थी।

460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करने का आरोप : पुलिस का आरोप है कि चो ने कम से कम 460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड कीं। जज ने कहा कि चो पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने का कोई आरोप नहीं है। चो को जुलाई में ऑस्टिन अस्पताल के शौचालय में एक जालीदार बैग के अंदर से रिकॉर्डिंग करते हुए फोन मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का आरोप है कि उसने पीटर मैक्कलम कैंसर सेंटर और रॉयल मेलबर्न अस्पताल के शौचालयों में भी रिकॉर्डिंग की थी।

दूसरी ओर चो के वकील जूलियन मैकमोहन ने अभियोजकों की इस आशंका को खारिज कर दिया कि रिहाई के बाद चो गवाहों के काम में दखल दे सकता है। मैकमोहन ने कहा कि ऐसे अपराधों के लिए सैकड़ों गवाह होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह धारणा है कि अगर मेरा मुवक्किल गवाहों के काम में दखल देने के आपराधिक कृत्य में शामिल होता है, तो इससे मामले के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

2017 में ऑस्ट्रेलिया आया चो : चो पर शुरू में छह अपराधों का आरोप लगाया गया था, लेकिन गुरुवार को 127 और आरोप जोड़े गए, जिनमें बिना अनुमति के जानबूझकर अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करना शामिल है। मैकमोहन ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि आरोपों पर मुकदमा चलेगा या नहीं। चो ने अभी तक कोई दलील नहीं दी है। चो 2017 में एक छात्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया आया और मेलबर्न के मोनाश विश्वविद्यालय में डॉक्टर की पढ़ाई की।

पुतिन से मुलाकात के बाद बदले ट्रंप के तेवर, दो हफ्ते में रूस पर लगेगा प्रतिबंध? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिए बड़े संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दो हफ्ते में उन्हें पता चल जाएगा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के उनके प्रयास में प्रगति संभव है या नहीं। उन्होंने फिर रूस पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों के किसी भी पहलू से वह खुश नहीं हैं। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता की थी। वह अभी तक उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए सहमत नहीं कर पाए हैं।

ट्रंप ने कहा, उनमें बहुत अधिक नफरत है। लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। मुझे लगता है कि दो हफ्ते में हमें पता चल जाएगा कि मैं किस राह पर जा रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह तभी तय करेंगे कि बड़े प्रतिबंध लगाने हैं या कुछ नहीं करना है और उनसे कहना है कि यह आपकी लड़ाई है।

पुतिन को रूस–अमेरिका संबंधों में दिख रही उम्मीद की किरण : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

ने शुक्रवार को कहा कि रूस-अमेरिका संबंधों में उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। एक परमाणु अनुसंधान केंद्र के दौरे के दौरान पुतिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के आने से मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। अलास्का में हमारी एक बहुत अच्छी, सार्थक और स्पष्टवादी बैठक हुई। आगे के कदम अब अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व के गुण इस बात की गारंटी हैं कि संबंध बहाल होंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3 साल के मासूम बच्चे के अपहरण और हत्या

सूरत क्राइम ब्रांच और अमरोली पुलिस महाराष्ट्र और बिहार में छापेमारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरोली में रहने वाले मूल रूप से बिहारी परिवार के 3 साल के मासूम बच्चे के अपहरण और हत्या के सनसनीखेज मामले में सूरत क्राइम ब्रांच और अमरोली पुलिस महाराष्ट्र और बिहार में छापेमारी कर रही है। आरोपी विकास मृतक की मां का मोबाइल लेकर भाग गया था। वह बार-बार फोन को चालू-बंद कर पुलिस को चकमा दे रहा है। जानकारी सामने आई है कि आरोपी पहले सऊदी अरब, क़तर और कुवैत जैसे देशों में रह चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार, बिहार के सीवान जिले के बहरन गांव निवासी राजेंद्र जीवत शाह इस समय दुबई की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी दुर्गा देवी अपने बच्चों खुशी (8 वर्ष), अंकुश (5 वर्ष) और तीन वर्षीय बेटे आकाश उर्फ आरव के साथ कृष्णानगर, गणेशपुरा, अमरोली में बच्चों की पढ़ाई के लिए रहती हैं। पिछले सप्ताह बिहार से दुर्गादेवी की बड़ी बहन रबड़ी देवी बिनशुलदयाल अपने बेटे विकास (26) के साथ उनके घर रहने आई थी। 21 अगस्त को आरोपी विकास अपने मौसेरे भाई आकाश को खेलने के बहाने बाहर ले गया था और दोनों लापता हो गए। विकास अपनी मौसी दुर्गादेवी के बेटे आकाश उर्फ आरव और मोबाइल दोनों लेकर फरार हो गया।

इस दौरान मुंबई के पास ठाणे के लोकमान्य तिलक रेलवे स्टेशन पर कुशीनगर ट्रेन के एसी कोच के शौचालय के डस्टबिन से आकाश का शव बरामद हुआ। बच्चे को गले में पहनी डोरी से गला घोंटकर मार डाला गया था। मासूम की हत्या करने के बाद विकास बिनशुलदयाल शाह (26, निवासी कचहरी रोड, सीजेएम कोर्ट, सीवान, बिहार) फरार हो गया। इस गंभीर घटना की जानकारी मिलते ही अमरोली और क्राइम ब्रांच की टीम ने महाराष्ट्र और आरोपी के गांव बिहार में छापे मारे।

इस दौरान विकास मृतक आकाश की मां दुर्गादेवी का मोबाइल लेकर भागा था, इसलिए पुलिस ने उसी पर जांच केंद्रित की। लेकिन विकास थोड़े-थोड़े समय के लिए फोन चालू-बंद कर देता है जिससे पुलिस को मुश्किल हो रही है। कुशीनगर ट्रेन जहाँ-जहाँ से गुजरी, उन रेलवे स्टेशनों के CCTV फुटेज और लोकमान्य तिलक स्टेशन के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

फिलहाल मृतक आकाश का परिवार सदमे में है, जिसके कारण पुलिस पूरी तरह से पूछताछ नहीं कर सकी है। रबड़ी देवी और विकास दुर्गादेवी के घर रह रहे थे और सूरत में ही बसना चाहते थे। दुर्गादेवी ने उन्हें टोकते हुए कहा था कि यहाँ रहना है तो अलग कमरा लो और काम-धंधा भी ढूंढो। इसी सामान्य विवाद के चलते क्या विकास ने मासूम को मौत के घाट उतार दिया, यह उसकी गिरफ्तारी के बाद ही साफ हो सकेगा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी शातिर है, अकेले रहता था, भटकता रहता था और उसका कोई खास दोस्त भी नहीं है। उसके पास अपना मोबाइल भी नहीं है, फिलहाल जो फोन है वह उसकी मौसी का है। अमरोली, क्राइम ब्रांच और लोकल क्राइम ब्रांच सहित कुल पाँच टीम आरोपी की तलाश में जुटी हैं। मुंबई, ठाणे और बिहार में जांच की जा रही है। अभी तक आरोपी के खिलाफ कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।

अडाजन के जैन मंदिर में हुई चोरी का खुलासा

गुजरात के जैन मंदिरों को निशाना बनाने वाली राजस्थान की 'गरासिया गैंग' का पर्दाफाश

11 चोरी के मामलों में से 8 चोरी जैन मंदिरों में की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के मंदिरों और जैन मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाली राजस्थान की कुख्यात "गरासिया गैंग" का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस गैंग के एक शातिर अपराधी को राजस्थान से दबोच लिया है, जिसके चलते सूरत के अडाजन स्थित जैन मंदिर में हुई चोरी का

राज खुल गया है। इस आरोपी पर कुल 11 चोरी के मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 चोरी खासकर जैन मंदिरों में की गई हैं।

11 अगस्त 2025 को तड़के 2:15 से 3:15 बजे के बीच सूरत के अडाजन इलाके में गुरु राम पावन भूमि परिसर स्थित रामजी ओवाड़ा जैन मंदिर में चोरी हुई थी। दो अज्ञात व्यक्ति Tapi नदी किनारे से मंदिर में घुसे थे और मंदिर की दीवार पर बनी नक्काशी तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। उन्होंने मंदिर में रखी दो लकड़ी की दानपेटियाँ तोड़ीं और लगभग 45,000 नकद चुरा लिया।

इसके अलावा, पार्श्वनाथ भगवान की मूर्ति से 2 चांदी की आँखें और 2 चांदी की पलकें (200 ग्राम, कीमत 20,000) तथा सिमंधर स्वामी भगवान की मूर्ति से 2 चांदी की पलकें (50 ग्राम, कीमत 5,000) भी चोरी कर ली गईं। कुल मिलाकर 70,000 का माल चोरी कर आरोपी फरार हो गए थे।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि चोरी राजस्थान की गरासिया गैंग ने की है। इस आधार पर पुलिस ने राजस्थान के पींडवाड़ा के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र से आरोपी लालाराम गंगाराम सोहन (गरासिया) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथियों लाडूराम मालाजी धनोवत (गरासिया) और करण खुमा राम सिसोदिया (गरासिया) के साथ मिलकर अडाजन जैन मंदिर में चोरी करने की बात कबूल की।

पुलिस जांच में पता चला कि यह गैंग पहले गुजरात में मंदिरों और जैन मंदिरों में पत्थर घिसाई का मजदूरी कार्य करती थी।

गुजरात की सबसे बड़ी गणेशजी की इको-फ्रेंडली प्रतिमा का भव्य स्वागत

मुंबई के कारीगरों ने सूरत में 350 किलो टिश्यू से बनाई 16 फीट ऊँची प्रतिमा, ढोल-नगाड़ों के साथ आगमन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व को लेकर पूरे देश में भारी उत्साह का माहौल है। इस उत्सव को और खास और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सरकार गणेश उत्सव द्वारा गुजरात की सबसे बड़ी इको-फ्रेंडली गणेशजी की प्रतिमा का भव्य आगमन किया गया है। इस प्रतिमा की सबसे खास विशेषता यह है कि यह प्लास्टर ऑफ पेरिस (POP) या मिट्टी से नहीं, बल्कि 350 किलोग्राम टिश्यू पेपर से बनाई गई है। 16 फीट ऊँची और 6 फीट चौड़ी इस विशाल प्रतिमा को मुंबई के 15 कुशल कारीगरों ने एक महीने की कड़ी मेहनत के बाद तैयार किया है।

इस प्रतिमा की कारीगरी इतनी बारीक और सटीक है कि पहली नज़र में कोई विश्वास नहीं कर सकता कि यह कागज़ से बनी हुई है। प्रतिमा के आभूषणों से लेकर उसकी मुद्राओं तक की हर बारीकी अद्भुत ढंग से उकेरी गई है, जो कलाकारों की कुशलता का परिचय देती है। यह प्रतिमा न केवल भक्तों की आस्था का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की बढ़ती जागरूकता का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

इस इको-फ्रेंडली पहल के पीछे प्रेरणादायक विचार सरकार गणेश उत्सव मंडल के सागर राजपूत का है। उन्होंने बताया कि मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान POP की प्रतिमाओं के विसर्जन पर प्रतिबंध लगाया गया था। उसका वीडियो देखकर हमें यह इको-फ्रेंडली गणेशजी बनाने का विचार आया। इससे हम परंपरा को बनाए रखते हुए पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने से भी बचा सकते हैं।

परंपरागत रूप से गणेशजी की प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों या समुद्र में किया जाता है, लेकिन POP और रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाएँ जल प्रदूषण का एक बड़ा कारण बनती हैं। यह जलीय जीवों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। इस परिस्थिति को देखते हुए यह इको-फ्रेंडली प्रतिमा एक सकारात्मक समाधान है।

इस गणेशजी का विसर्जन परंपरागत रूप से नदी या समुद्र में नहीं किया जाएगा। मंडल ने पार्टी प्लॉट में एक कृत्रिम तालाब तैयार किया है, जिसमें इस प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। कागज से बनी होने के कारण यह पानी में आसानी से घुल जाएगी और किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं फैलाएगी। विसर्जन के बाद बचा हुआ पल्प खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिससे एक पूर्ण टिकाऊ चक्र पूरा होगा। यह पहल अन्य मंडलों और भक्तों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

रविवार शाम को इस भव्य प्रतिमा को शहर में लाने के लिए एक विशाल आगमन यात्रा का आयोजन किया गया। हजारों भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। उनके चेहरों पर भगवान गणेश के आगमन की खुशी और उत्साह स्पष्ट झलक रहा था। ढोल-नगाड़ों और गणेशजी के जयघोष के साथ निकली इस यात्रा ने पूरे शहर में एक पवित्र और उल्लासपूर्ण माहौल बना दिया। यह यात्रा केवल धार्मिक प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी थी कि धर्म और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

पूर्व पति ने फिल्मी अंदाज़ में पत्नी का अपहरण किया

पत्नी को पाने के लिए रचा षड्यंत्र,घटना CCTV में कैद आरोपी छोटाउदयपुर चेकपोस्ट पर दबोचा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन GIDC क्षेत्र में शुक्रवार शाम नौकरी से घर जा रही एक महिला का उसके पूर्व पति ने सार्वजनिक रूप से अपहरण कर लिया, जिससे हड़कंप मच गया। फिल्मी दृश्यों की तरह, पूर्व पति ने बोलेरो पिकअप वैन में जबरन महिला को बैठाकर अपहरण कर लिया। यह घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई

थी। हालांकि, सचिन GIDC पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूर्व पति को छोटा उदयपुर पहुँचने से पहले ही चेकपोस्ट पर पकड़ लिया और महिला को सकुशल मुक्त कराया। पत्नी को वापस पाने के लिए पूर्व पति ने यह रास्ता अपनाया था।

यह घटना शुक्रवार 23 अगस्त की शाम करीब 7:15 बजे हुई। पीड़िता रीटा, जिसने लगभग डेढ़ साल पहले समाज के बड़ों की पहल पर अपने पति राकेश बर्सन किराड़ (25 वर्ष) से तलाक ले लिया था, अपनी बहन के साथ नौकरी से घर लौट रही थी। तभी उसका पूर्व पति राकेश सफेद बोलेरो पिकअप गाड़ी में वहाँ पहुँचा। उसने रास्ते में रीटा को रोका, जबरन उसका हाथ पकड़कर गाड़ी में बैठा लिया और अपहरण कर भाग गया।

इस घटना से स्तब्ध स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। रीटा के भाई अंबुभाई उर्फ करण जंदुभाई राठवा ने सचिन तत्काष्ट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस तुरंत हरकत में आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर दी और वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी। पुलिस की रणनीतिक कार्रवाई और तेज़ जांच के चलते अपहरणकर्ता राकेश किराड़ छोटाउदयपुर के खेरकुवा चेकपोस्ट पर नाकाबंदी के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पुलिस ने उसके कब्जे से अपहृत महिला रीटा को सकुशल मुक्त करा लिया। पूछताछ में सामने आया कि डेढ़ साल पहले तलाक हो जाने के बावजूद राकेश अपनी पूर्व पत्नी के साथ फिर से घर बसाना चाहता था और इसी वजह से उसने यह अपहरण की साज़िश रची। दोनों के दो संतानें थीं—एक बेटा और एक बेटी। 4 महीने के बेटे की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि ढाई साल की बेटी आरोपी राकेश के साथ रह रही थी। ऐसे हालात में पूर्व पत्नी को वापस अपने पास लाने के लिए राकेश ने यह अपराध किया। फिलहाल सचिन GIDC पुलिस ने आरोपी राकेश किराड़ को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

लिफ्ट में फँसने से 5 साल के बच्चे की मौत

मां के आने से पहले ही बेटे ने लिफ्ट चला दी, फायर जवानों ने दरवाजा काटकर बाहर निकाला, लेकिन नहीं बच पाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के विजलपुर इलाके से माता-पिता के लिए चेतावनी जैसी दर्दनाक घटना सामने आई है। यहाँ नीरव स्क्वेयर अपार्टमेंट में सुबह 9 बजे सूरत नगर निगम के एक अधिकारी का 5 वर्षीय पुत्र सार्थक लिफ्ट में फँस गया। फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत पहुँची और कटर से लिफ्ट का दरवाजा काटकर बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

घटना के अनुसार, नीरव स्क्वेयर अपार्टमेंट में मां फ्लैट के दरवाजे पर ताला लगा रही थी। इसी दौरान मां के पहुँचने से पहले ही बच्चे ने दूसरे माले से लिफ्ट चालू कर दी और लिफ्ट में फँस गया। बच्चे को बचाने के लिए नवसारी फायर ब्रिगेड की टीम पहुँची और काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला।

बच्चे को तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक बच्चा सूरत म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारी का पुत्र था।

नीरव अपार्टमेंट की लिफ्ट पुरानी लोहे की जालीदार लिफ्ट है, जिसके बाहर लकड़ी का दरवाजा लगा है। बच्चे ने लकड़ी का दरवाजा खींचकर

अंदर प्रवेश किया, तभी दरवाजे से उसे धक्का लगा और लिफ्ट की अंदरूनी जाली पूरी तरह बंद होने से पहले ही लिफ्ट ऊपर की ओर चल पड़ी।

इसके कारण बच्चे की कमर का हिस्सा बाहर और शरीर का हिस्सा लिफ्ट के अंदर फँस गया। चश्मदीदों का कहना है कि लिफ्ट का सेंसर सही तरह से काम नहीं कर रहा था, संभव है कि किसी ने ऊपर से बटन दबा दिया हो, जिसके चलते लिफ्ट चल पड़ी और हादसा हो गया।

हालाँकि नवसारी महानगरपालिका बनी हुई है और फायर विभाग के पास आधुनिक उपकरण हैं, लेकिन जब लोहे का दरवाजा काटने की बारी आई तो वे उपकरण काम नहीं कर पाए। उसी समय अपार्टमेंट में फर्नीचर का काम चल रहा था, वहाँ से मिस्त्री का कटर मंगवाना पड़ा। लगभग डेढ़ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद बच्चे को बाहर निकाला जा सका।

लोगों ने सवाल उठाया कि अगर आधुनिक उपकरण समय पर काम न आएँ और किसी की जान न बचा पाएँ तो उनका होना किस काम का?

बच्चे के परिवार ने सार्थक का नेत्रदान करने का निर्णय लिया है, जिससे दो लोगों को दृष्टि मिलेगी। पोस्टमार्टम के बाद शव को उसके मूल गांव भावनगर ले जाया गया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है, लेकिन परिवार का यह निर्णय अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायक बन गया है।

यह हादसा पुराने अपार्टमेंट्स की जर्जर लिफ्टों की गंभीरता को दर्शाता है। गुजरात में कई अपार्टमेंट्स की लिफ्टें सही रखरखाव के अभाव में खराब हालत में हैं और ऐसे हादसों की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।

गुजरात राज्य स्तरीय शोटोकन कराटे चैंपियनशिप में शानदार उपलब्धि

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,निहोन शोटोकन कराटे एसोसिएशन द्वारा 23 और 24 अगस्त 2025 को आणंद, गुजरात में आयोजित 15वीं गुजरात राज्य स्तरीय शोटोकन कराटे चैंपियनशिप - 2025 में अग्रवाल विद्या विहार डिंडोली के छात्रों ने शानदार उपलब्धियां हासिल की। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यालय से कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। स्कूल ने एक स्वर्ण पदक, सात रजत पदक एवं आठ कांस्य पदक हासिल किए। सूरत जिले की टीम ने द्वितीय रनर-अप की ट्रॉफी जीत कर शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य केयूरकुमार वैद्य एवं ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने विजेताओं को शुभकामनांए दी।